हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

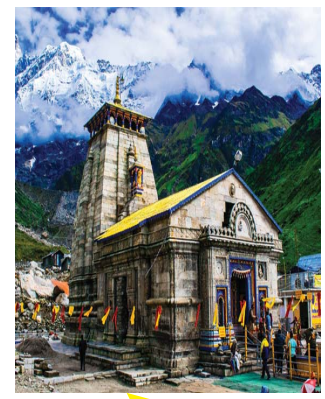

वर्षः5 अंकः02 पृष्ठः08 मुल्यः1 रूपये

pathpravah.com

हरिद्वार, सोमवार, 05 जनवरी 2026

देवभूमि की सांस्कृतिक पहचान और विधिसम्मत शासन सर्वोच्च प्राथमिकताः मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'शब्दोत्सव' कार्यक्रम के पंचम सत्र 'धर्मरक्षक धामी' में प्रतिभाग करते हुए उत्तराखण्ड सरकार की नीतियों, निर्णयों और उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार देवभूमि उत्तराखण्ड की मूल सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक समरसता और कानून के शासन को सुदृढ़ करने के लिए पूर्ण रूप से संकल्पबद्ध है। नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य में सरकारी भूमि पर सुनियोजित ढंग से किए गए अवैध कब्जों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई है। अब तक 10 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी व्यक्ति या वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि कानून के पालन और सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा के लिए चलाया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार के फैसलों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 जुलाई 2026 के बाद वही मदरसे संचालित हो सकेंगे, जो राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम का पालन करेंगे। उन्होंने बताया कि अब तक 250 से अधिक ऐसे मदरसे बंद किए जा चुके हैं, जो निर्धारित मानकों और नियमों का पालन नहीं कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय किसी को निशाना बनाने के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लिया गया है। उन्होंने दो टूक कहा कि राज्य में किसी भी प्रकार की कट्टरवादी मानसिकता को पनपने नहीं दिया जाएगा और शिक्षा के वास्तविक मंदिर स्थापित किए जाएंगे। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल मतदाता सूची का विषय नहीं है, बल्कि इससे राज्य की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता और वित्तीय प्रबंधन भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने आयुष्मान योजना का उदाहरण देते हुए कहा कि अनुमान से कहीं अधिक व्यय सामने आने के बाद सत्यापन की आवश्यकता और अधिक स्पष्ट हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि राशन कार्ड, आधार कार्ड और वोटर कार्ड के सत्यापन की प्रक्रिया पहले ही प्रारंभ की जा चुकी है, जिसका उद्देश्य किसी विशेष वर्ग को लक्षित करना नहीं, बल्कि व्यवस्था को दुरुस्त करना है।'धर्मरक्षक धामी' विषय पर अपने विचार रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए गए सभी कार्य पूर्णतः विधिसम्मत हैं। अब तक लगभग 600 अवैध ढांचों को हटाया गया है, जिनमें किसी भी प्रकार के वैध अवशेष नहीं पाए गए। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण के प्रयासों को सख्ती से रोका गया है और देवभूमि के देवत्व एवं मूल स्वरूप की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता के साथ-साथ व्यक्तिगत संकल्प भी है। आगामी विधानसभा चुनावों के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में संगठन और सरकार निरंतर सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, दंगा विरोधी कानून, धर्मांतरण विरोधी कानून तथा मदरसा बोर्ड को समाप्त कर नया अधिनियम लागू किए जाने को राज्य सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में केंद्र और राज्य सरकार की दो लाख से अधिक विकास योजनाएं संचालित हो रही हैं। नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) इंडेक्स में उत्तराखण्ड ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में राज्य 'अचीवर्स' श्रेणी में रहा है, जबकि स्टेट माइनिंग रेडीनेस इंडेक्स में उत्तराखण्ड को देश में दूसरा स्थान मिला है। सिंगल विंडो सिस्टम को भी टॉप अचीवर्स श्रेणी में सम्मानित किया गया है। पर्यटन क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तराखण्ड को बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन और बेस्ट एडवेंचर डेस्टिनेशन के राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार 2024 में जाखोल, हर्षिल, गुंजी और सूपी गांव को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव घोषित किया गया है। मानसखण्ड कॉरिडोर और कालनेमि से जुड़े प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारखण्ड और मानसखण्ड दोनों क्षेत्रों में तीर्थस्थलों का समग्र विकास किया जा रहा है। चारधाम ऑल वेदर रोड, बदरीनाथ मास्टर प्लान, 'भव्य केदार, दिव्य केदार' परियोजना, हेमकुण्ड साहिब और केदारनाथ रोपवे जैसी परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत कुमाऊं क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों के पुनर्निर्माण, सौंदर्यीकरण और कनेक्टिविटी पर कार्य किया जा रहा है। दिल्ली-देहरादून कनेक्टिविटी पर मुख्यमंत्री ने बताया कि एलीवेटेड रोड परियोजना लगभग पूर्ण हो चुकी है और इसके शुरू होने के बाद दिल्ली से देहरादून की दूरी मात्र 2 से 2.5 घंटे में तय की जा सकेगी। देहरादून शहर में यातायात समस्या के समाधान के लिए रिंग रोड और आंतरिक एलीवेटेड रोड परियोजनाओं पर भी केंद्र सरकार के सहयोग से तेजी से कार्य चल रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सही नीयत, दृढ़ संकल्प और पारदर्शी शासन के माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सकता है और राज्य सरकार इसी लक्ष्य को लेकर निरंतर कार्य कर रही है।

सशस्त्र सीमा बल देश की सुरक्षा की मजबूत ढालः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

पथ प्रवाह, देहरादून।

सशस्त्र सीमा बल ने पिछले छह दशकों से राष्ट्र की सुरक्षा में अद्वितीय योगदान दिया है। आंतरिक सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद, नक्सलवाद और आपदा प्रबंधन जैसे कठिन क्षेत्रों में एसएसबी के जवानों ने साहस, समर्पण और अनुशासन के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है।यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में कही। वह अर्पित फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्राइड मूवमेंट सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने समारोह के दौरान सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों एवं जवानों को सम्मानित करते हुए कहा कि एसएसबी के जवान जहां एक ओर सीमाओं की रक्षा में दिन-रात तत्पर रहते हैं, वहीं दूसरी ओर खेल, सामाजिक गतिविधियों और आपदा राहत कार्यों में भी उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बल केवल सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और राष्ट्रभक्ति की मिसाल भी है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। आज देश स्वदेशी तकनीक से रक्षा उपकरणों का निर्माण कर रहा है और विश्व के प्रमुख रक्षा निर्यातक देशों में अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत के स्वदेशी हथियारों की क्षमता और ताकत को पूरी दुनिया ने देखा और सराहा है। राज्य सरकार द्वारा सैनिकों और अर्धसैनिक बलों के जवानों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ने शहीदों के परिजनों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया है। साथ ही वीरता पदक से अलंकृत जवानों को मिलने वाली सम्मान राशि में भी वृद्धि की गई है, ताकि उनके त्याग और बलिदान का सम्मान किया जा सके। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में संचालित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमावर्ती गांवों के विकास और सशक्तिकरण के लिए विशेष योजनाएं लागू की जा रही हैं। सीमांत क्षेत्रों में सड़कों का मजबूत नेटवर्क विकसित किया जा रहा है, जिससे न केवल आवागमन सुगम हुआ है, बल्कि पर्यटन, व्यापार और सामरिक दृष्टि से भी इन क्षेत्रों को नई मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर सुरक्षा बलों और स्थानीय नागरिकों से संवाद करते हैं और उनकी समस्याओं के समाधान हेतु ठोस निर्णय लेते हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, निरंजनी पीठाधीश्वर आचार्य कैलाशानन्द महाराज, एसएसबी के डीआईजी सुधांशु नौटियाल, अर्पित फाउंडेशन की हनी पाठक सहित सशस्त्र सीमा बल के अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

गांधीनगर में दूषित पानी से टाइफॉयड का प्रकोप, अमित शाह सख्त - युद्धस्तर पर कार्रवाई के निर्देश

दूषित पानी से फैला संक्रमण, पाइपलाइन मरम्मत, स्वच्छ पानी व इलाज की त्वरित व्यवस्था के आदेश

अहमदाबाद। शहर के सेक्टर-24, सेक्टर-28 और आदिवाड़ा क्षेत्र में पीने के पानी की पाइपलाइन में रिसाव होने से दूषित पानी की आपूर्ति हुई, जिसके कारण बड़ी संख्या में बच्चे और नागरिक टाइफॉयड की चपेट में आ गए हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद तथा केंद्रीय गृह एवं सहकार मंत्री अमित शाह सतर्क हो गए हैं। उन्होंने प्रशासन को युद्धस्तर पर काम करने और नागरिकों को तत्काल राहत पहुंचाने के सख्त निर्देश दिए हैं।

टाइफॉयड के बढ़ते मामलों की जानकारी मिलते ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, गांधीनगर जिला कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त से टेलीफोन पर चर्चा की। उन्होंने वर्तमान स्थिति की पूरी जानकारी ली और संक्रमण रोकने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रशासन किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरते और प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत सैनिटाइजेशन तथा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अमित शाह ने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से भी बातचीत कर निर्देश दिए कि प्रभावित बच्चों और अन्य मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में सही और त्वरित उपचार मिले। गांधीनगर सिविल अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ने के कारण वहां विशेष व्यवस्थाएं करने को कहा गया है। साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए उनके भोजन की उचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं। पाइपलाइन लीकेज के मामले में केंद्रीय गृह मंत्री ने कड़ा रुख अपनाया है। सेक्टर-24, 28 और आदिवाड़ा में जहां-जहां लीकेज है, वहां तत्काल मरम्मत के आदेश दिए गए हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति अन्य क्षेत्रों में न फैले, इसके लिए आसपास के सभी आवासीय इलाकों में पाइपलाइन की सघन जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

समावेशी समाज की दिशा में ब्रेल लिपि का अतुलनीय योगदानःडीएम अंशुल सिंह

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

लुई ब्रेल दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ उप शाखा, अल्मोड़ा की ओर से रैमजे इंटर कॉलेज में जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर दृष्टिबाधित व्यक्तियों के अधिकारों, शिक्षा और आत्मनिर्भरता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने लुई ब्रेल के योगदान को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि ब्रेल लिपि ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के जीवन में शिक्षा और आत्मसम्मान की नई राह खोली है। उन्होंने कहा कि ब्रेल केवल एक लिपि नहीं, बल्कि समान अवसर और स्वावलंबन का सशक्त माध्यम है। समाज और प्रशासन का दायित्व है कि दिव्यांगजनों को हर क्षेत्र में समान अवसर उपलब्ध कराए जाएं और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जाए।

जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि प्रतिभा किसी भी शारीरिक सीमा की मोहताज नहीं होती। उन्होंने कहा कि जब सही मंच और सहयोग मिलता है, तो हर व्यक्ति अपनी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकता है। उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से दृष्टिबाधित व्यक्तियों के कल्याण, शिक्षा, रोजगार और अधिकारों के संरक्षण हेतु हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ उप शाखा, अल्मोड़ा के पदाधिकारियों ने संगठन की गतिविधियों, उद्देश्यों तथा ब्रेल लिपि के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा दृष्टिबाधित व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण, जागरूकता और सहायता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मेयर अल्मोड़ा अजय वर्मा ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि नगर निगम स्तर पर दिव्यांगजनों के हित में योजनाओं को और प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से दृष्टिबाधित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की अपील की।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता, दृष्टिबाधित संघ के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सभी ने लुई ब्रेल के आदर्शों को आत्मसात करते हुए एक समावेशी, संवेदनशील और समान अवसरों वाले समाज के निर्माण के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

शिवालिक नगर के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स क्षेत्र को मिली राहत, टाइल्स व नाली निर्माण कार्य का लोकार्पण

पथ प्रवाह, हरिद्वार

नगर पालिका परिषद शिवालिक नगर के वार्ड संख्या-4 स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स क्षेत्र में टाइल्स लगाकर समतलीकरण, नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का लोकार्पण नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा द्वारा विधिवत रूप से किया गया। लोकार्पण के पश्चात इस विकास कार्य को क्षेत्रवासियों को समर्पित किया गया। उल्लेखनीय है कि शॉपिंग कॉम्प्लेक्स क्षेत्र पूर्व में जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रहा था। बरसात के दौरान पानी भर जाने से दुकानदारों, राहगीरों एवं यहां आने वाले हजारों नागरिकों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। नगर पालिका परिषद द्वारा टाइल्स लगाए जाने तथा नाली व पुलिया निर्माण से अब जलनिकासी व्यवस्था सुदृढ़ हो गई है, जिससे क्षेत्र स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बन गया है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि नगर पालिका परिषद का निरंतर प्रयास है कि शहर के प्रत्येक वार्ड में जनसमस्याओं का स्थायी समाधान किया जाए। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स क्षेत्र में लंबे समय से जलभराव लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ था। टाइल्स लगने एवं नाली निर्माण से न केवल जलभराव की समस्या समाप्त होगी, बल्कि क्षेत्र में आने वाले नागरिकों को सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन की सुविधा भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि नगर के समग्र विकास एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए नगर पालिका पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों एवं व्यापारियों ने इस विकास कार्य के लिए नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इसे जनहित में एक सराहनीय और उपयोगी पहल बताते हुए कहा कि इससे व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। नगर पालिका परिषद शिवालिक नगर द्वारा भविष्य में भी जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निरंतर कराया जाएगा। लोकार्पण कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी, सभासद हरिओम चौहान सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, व्यापारीगण एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एक नजर

जान से मारने की नियत से फायरिंग करने वाला आरोपी पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जान से मारने की नीयत से फायर करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से एक अवैध तमंचा भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक दिनांक 02.01.2026 को थाना झबरेड़ा पर वादी सावन पुत्र कुलदीप निवासी ग्राम मोलना थाना झबरेड़ा हरिद्वार द्वारा अभियुक्त समित पुत्र जीत सिंह उर्फ गुड्डू, रोबिन पुत्र सतीश, अंकित पुत्र जयकुमार व शिवदत्त पुत्र धर्मपाल निवासीगण ग्राम मोलना थाना झबरेड़ा (हरिद्वार) के विरुद्ध वादी के साथ गाली गलौच व अभियुक्त सुमित द्वारा जान से मारने की नियत से फायर करने के सम्बन्ध मे मु0अ0सं0 02/26 धारा 109(1), 352 बीएनएस पंजीकृत कराया था। जिसपर कार्यवाही करते हुए थाना झबरेड़ा पुलिस द्वारा दिनांक /01/2026 को मुखबीर की सूचना पर मोलना रोड़ सुनहेटी तिराह से अभियुक्त सुमित उपरोक्त को घटना में प्रयुक्त तमन्चा 315 बोर मय खोखा कारतूस के गिरफ्तार किया गया।

नशा तस्कर पर प्रहार, अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन को सफल बनाने के लिए एसएसपी हरिद्वार द्वारा नशा तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने हेतु निर्देशित क्रम में कोतवाली रुड़की पुलिस एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। कोतवाली रुड़की पुलिस के मुताबिक दिनांक 03.01.25 को सोलानी पुल पार करने के बाद हरिद्वार रोड सेकलियर की ओर जाने वाली सडक से अभियुक्त तौकीर पुत्र इलियास निवासी म0न0 892 माहीग्रान बन्दा रोड रुडकी थाना कोतवाली रुडकी जिला हरिद्वार उम्र 28 वर्ष को 06.90 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार करने मे कामयाबी हासिल की। अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0स0 07-2026 धारा 8/21 हष्ठक्क्स्, ष्ह्ल का अभियोग पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के अन्य साथियों और उसके नेटवर्क के बारे में जानकारी की जा रही है।

पीठ बाजार से ई- रिक्शा चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार पुलिस शातिर अपराधियों पर लगातार नकेल कस रही है। इसी क्रम में कोतवाली रानीपुर पुलिस ने पीठ बाजार से ई रिक्शा चोरी करने वाले एक शातिर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने चोरी किये हुए दो ई रिक्शा बरामद किये हैं।

पुलिस के मुताबिक दिनांक 30.12.2025 को पीठ बाजार सेक्टर-1 से अज्ञात चोर द्वारा वादी विनोद कुमार पुत्र घसीटा राम नि0 गुरुकुल कांगडी थाना कनखल हरिद्वार का ई-रिक्शा चोरी कर लिया गया था। जिसका मुकदमा कोतवाली रानीपुर में दर्ज किया गया था। इसी तरह दिनांक 02.01.2026 को सेक्टर-1 पीठ बाजार से वादी सुभाष सिंह पुत्र भूप सिंह निवासी 258 ब्रह्मपुरी रावली महदूद सिडकुल हरिद्वार ने अपना ई- रिक्शा अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले जाने की शिकायत की। जिसके आधार पर कोतवाली रानीपुर में मुकदमा दर्ज किया गया। उक्त दोनों अभियोगों के अनावरण व अज्ञात चोरों की तलाश हेतु एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा दिए गए निर्देश पर रानीपुर पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही की गई। सुराग जुटाकर अज्ञात चोरों एवं चोरी किये गये ई-रिक्शाओं की ठोस सुरागरसी पतारसी करते हुये कोतवाली रानीपुर पुलिस ने चैकिंग के दौरान सैक्टर 04 लिप्टिस के बाग के पास से एक संदिग्ध अंकित पुत्र हरिराज, निवासी गनौरा, बिजनौर को दबोचकर उसके कब्जे से एक चोरी की ई- रिक्शा बरामद की। पूछताछ पर आरोपी द्वारा बताया कि वह ई रिक्शा चलाता है लेकिन आजकल ई रिक्शे से कमाई नहीं होने पर अपनी जरुरतों को पूरा करने के लिए उसने रिक्शा चोरी की थी। संदिग्ध की निशानदेही पर सैक्टर 05 बी0 में एक खण्डहर मकान के पीछे से छिपाकर रखी गई चोरी की एक ओर ई-रिक्शा को भी बरामद किया गया।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर गंगनहर में गिरी, दो युवकों की मौत

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

देर रात मंगलौर कोतवाली क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई। यह हादसा मोहम्मदपुर झाल के पास हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर गंगनहर में जा गिरी। देर रात हुए इस हादसे में कार सवार मेरठ निवासी दो युवकों की डूबने से मौत हो गई।

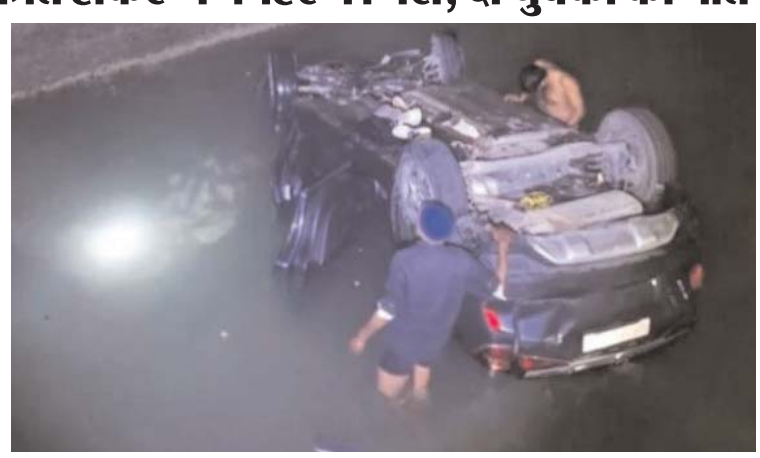

जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि मोहम्मदपुर झाल के पास एक कार गंगनहर में गिरी हुई है। सूचना पर कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे घटनास्थल पर एक कार नहर में उलटी अवस्था में आधी डूबी मिली। झाल कर्मियों के सहयोग से पुलिस ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कराया। कार के अंदर दो युवक अचेत अवस्था में मिले। कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकालकर 108 एम्बुलेंस से रुड़की उप जिला चिकित्सालय भिजवाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सौरभ शर्मा (25 वर्ष) और पुनीत (25 वर्ष) के रूप में हुई दोनों ही कुराली, थाना जानी, मेरठ के रहने वाले थे। दोनों युवकों की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस के मुताबिक वाहन के पंजीकृत स्वामी विवेक शर्मा ने पुलिस को फोन पर बताया कि दोनों युवक किसी निजी कार्य से रुड़की आए थे। पुलिस का प्रथम दृष्टया मानना है कि तेज गति के कारण चालक तीखे मोड़ पर वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे गंगनहर में जा गिरी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हादसे के सभी पहलुओं की गहन जांच की जाएगी।

कांग्रेस के खिलाफ सड़कों पर उतरी भाजपा, नारेबाजी कर फूंका पुतला

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भाजपा महिला मोर्चा ने रविवार को कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान जिला हरिद्वार के कार्यकर्ताओं ने रानीपुर मोड़ चंद्राचार्य चौक पर जोरदार नारेबाजी करते हुए कांग्रेस पार्टी का पुतला दहन किया। इस दौरान महिला मोर्चा ने अंकिता के नाम पर ओंछी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस अंकिता की आत्मा को अपमानित करना बंद करें।

भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि कांग्रेस अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में निकृष्ट राजनीति पर उतर आई है। जबकि हमारी सरकार ने त्वरित कार्यवाही व मजबूत साक्ष्य कोर्ट में प्रस्तुत कर अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दिलाई है। जिसमें आज तक भी अपराधियों को जमानत नहीं मिली है। कांग्रेस द्वारा उत्तराखंड का राजनीतिक माहौल को खराब करने का जो षडयंत्र किया जा रहा। उसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अंकिता भंडारी उत्तराखंड की बेटी थी हमारी संवेदनाएं उसके साथ हैं। हमारी सरकार ने उसके कातिलों को सख्त से सख्त सजा दिलवाने का काम किया है। हरिद्वार महापौर किरण जैसल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जिस प्रकार से महिलाओं को अपमानित करने का काम किया है। जनता इसका जवाब आने वाले 2027 के चुनाव में देगी। कहा कि कांग्रेस पार्टी समय-समय पर महिलाओं को अपमानित करने का काम करती है। सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार कर कांग्रेस पार्टी भाजपा की छवि को खराब करने का काम कर रही है। भाजपा कार्यकर्ता जगह-जगह सड़कों उतरकर कांग्रेस की झूठी, मनघड़ंत और षड्यंत्रकारी नीति का विरोध करेंगे।

भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रीति गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस जिस प्रकार की राजनीति कर रही है। इससे उत्तराखंड और देश का माहौल खराब हो रहा है। सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्म पर कांग्रेस के लोगों के द्वारा लगाए आरोपों से महिलाओं को अपमानित करने का काम हो रहा है। उत्तराखंड की जनता इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि उत्तराखंड की भाजपा सरकार जन भावनाओं का आदर करती है। हमारी सरकार के द्वारा कानून और व्यवस्था को बनाने का काम किया जा रहा है। जो भी कानून और व्यवस्था को भंग करने का काम करेगा उसके साथ सख्त सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शिवालिक नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के किसी भी षड्यंत्र को कामयाब होने नहीं देगी और जनता के सामने सच्चाई को लाने का काम करेगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से कांग्रेस के षड्यंत्र का पर्दाफाश करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पास कोई भी मुद्दा नहीं है जनता का ध्यान भटकाने के लिए वह इस प्रकार के मुद्दों का सहारा ले रही है। इस अवसर पर राज्य मंत्री डॉ जयपाल सिंह चौहान, सुनील सैनी, संदीप गोयल, जिला महामंत्री संजीव चौधरी, हीरा सिंह बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, आशु चौधरी, भाजयुमो अध्यक्ष अभिनव चौहान, एजाज हसन, रीता चमोली, मन्नू रावत, रजनी वर्मा, सपना शर्मा, रेनू शर्मा, विमला देवी, यादराम वालिया, अनुज त्यागी, देवेंद्र चावला, चीनू चौधरी, हरविंद्र सिंह आदि पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

नाबालिग के अपहरणकर्ता को दबोच लाई हरिद्वार पुलिस

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नाबालिग का अपहरण करने वाले आरोपी को कोतवाली रुड़की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता को पुलिस पूर्व में ही सकुशल बरामद कर चुकी है। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक दिनाँक 29.12.2025 को वादिया निवासी ग्राम भंगेडी कोतवाली रूडकी ने कोतवाली रूडकी पर तहरीर देकर बताया कि वादिनी की पुत्री उम्र 17 घर से बिना बताये कहीं चली गई है, काफी तलाश के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर नाबालिग की तलाश शुरू की। जिसके क्रम में उक्त पीडिता को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया। पीडिता द्वारा पुलिस को बताया गया कि उसे अरूण कुमार पुत्र विजय पाल उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम मसाही कला थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार बहला फुसला कर अपने साथ ले गया था। जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमे की धाराओं में बढ़ोतरी की। आरोपी गिरफ्तारी के ?लिए पुलिस टीम का गठन किया गया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त अरूण को दबोचने में सफलता हासिल की गई।

रुड़की पुलिस ने दो गौ तस्करों को किया गिरफ्तार, एक जिंदा गाय बरामद

पथ प्रवाह, हरिद्वार। गोकशी करने वालो के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत हरिद्वार पुलिस ने दो गौ तस्करों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। मौके से 1 गाय एवं गोकशी के उपकरण बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक दोनों के खिलाफ पूर्व में भी मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक कोतवाली गंगनहर पुलिस, गंगनहर क्षेत्र में शांति व्यवस्था, अपराध की रोकथाम तथा संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग के संबंध में क्षेत्र में भ्रमणशील थी। इसी दौरान मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि लाठरदेवा तिराहा स्थित आम के बाग में गोकशी की जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल आम के बाग में दबिश दी गई, जहां से 2 व्यक्तियों को 1 गाय सहित मौके पर पकड़ा गया, तथा गोकशी में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए। बरामदगी के आधार पर थाना गंगनहर पर मुकदमा अपराध संख्या 06/26 उत्तराखंड गौवंश संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पकड़े गएआरोपियों के नाम आस मोहम्मद पुत्र फुरकान निवासी नगला कुबड़ा, थाना झबरेड़ा और सलमान पुत्र फुरकान निवासी नगला कुबड़ा, थाना झबरेड़ा है। आस मोहम्मद पर 6 और सलमान के खिलाफ दो मुकदमें दर्ज हैं।

हरिद्वार कॉरिडोर से उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था को लगेंगे पंख

पथ प्रवाह, नवीन चौहान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट हरिद्वार कॉरिडोर अब आकार लेने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर हरिद्वार को भी दिव्य, भव्य और सुव्यवस्थित स्वरूप देने की कवायद की जा रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से न केवल धार्मिक आस्था को सशक्त किया जाएगा, बल्कि उत्तराखंड के पर्यटन और आर्थिक विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

हरिद्वार कॉरिडोर परियोजना के तहत हर की पैड़ी, गंगा घाटों, प्रमुख मंदिरों और आसपास के क्षेत्रों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चौड़े पैदल मार्ग, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, बेहतर साफ-सफाई, पार्किंग और यातायात प्रबंधन की व्यवस्था की जाएगी। इससे देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित अनुभव मिलेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस परियोजना को उत्तराखंड की आर्थिक संपन्नता से जोड़कर देख रहे हैं। उनका मानना है कि हरिद्वार कॉरिडोर बनने से न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय व्यापार, होटल उद्योग, परिवहन, हस्तशिल्प और छोटे व्यवसायों में भी जबरदस्त उछाल आएगा। इससे हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलेंगे।

हरिद्वार पहले से ही चारधाम यात्रा का प्रमुख प्रवेश द्वार है। कॉरिडोर के निर्माण के बाद यहां श्रद्धालुओं की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है। इससे उत्तराखंड के पर्यटन कारोबार को पंख लगेंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरिद्वार की पहचान एक विश्वस्तरीय आध्यात्मिक पर्यटन स्थल के रूप में और सशक्त होगी। सरकार का उद्देश्य विकास के साथ-साथ हरिद्वार की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को सुरक्षित रखना भी है। परियोजना के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि आस्था, परंपरा और पर्यावरण के साथ कोई समझौता न हो।

ट्रैवल कारोबारी अभिषेक अहलूवालिया का कहना है कि हरिद्वार कॉरिडोर परियोजना श्रद्धालुओं की सुविधा, शहर की सुंदरता और राज्य की आर्थिक उन्नति का मजबूत आधार बनने जा रही है। आने वाले समय में यह कॉरिडोर हरिद्वार की दिव्यता और भव्यता में चार चांद लगाने का काम करेगा।

हरिद्वार-लक्सर रोड का फोरलेन होना वक्त की जरूरत, दुर्घटनाओं पर लगेगी लगाम

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हरिद्वार-लक्सर रोड को फोरलेन किए जाने की मांग अब क्षेत्र की जनता की प्रमुख आवाज बनती जा रही है। लगातार बढ़ते यातायात दबाव और रोजाना हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए आमजन इस महत्वपूर्ण मार्ग के चौड़ीकरण की पुरजोर मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस सड़क को फोरलेन नहीं किया गया, तो दुर्घटनाओं का ग्राफ और अधिक बढ़ सकता है।

बीते दिनों राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएच) की टीम द्वारा हरिद्वार-लक्सर रोड को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान चलाया गया। करीब एक माह तक चले इस अभियान में सड़क किनारे से अवैध कब्जे हटाए गए, जिसके बाद यातायात व्यवस्था में कुछ हद तक सुधार और दुर्घटनाओं में कमी देखने को मिली। हालांकि, यह राहत अस्थायी मानी जा रही है, क्योंकि सड़क की चौड़ाई मौजूदा ट्रैफिक के अनुरूप नहीं है।

विदित हो कि पिछले एक दशक में हरिद्वार-लक्सर रोड क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। यहां बड़ी संख्या में नई कॉलोनियां विकसित हुई हैं, जिनमें लाखों लोगों ने अपने आशियाने बनाए हैं। इसके अलावा राजकीय मेडिकल कॉलेज जगजीतपुर का निर्माण पूर्ण हो चुका है, वहीं कई निजी कॉलेज, शिक्षण संस्थान और स्कूलों का भी तेजी से विस्तार हुआ है। राज्य सरकार की अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं भी इसी मार्ग पर साकार हो रही हैं, जिससे वाहनों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

स्थानीय निवासी मिस्सरपुर की निशा चौहान का कहना है कि बढ़ते ट्रैफिक के कारण बच्चों को स्कूल भेजते समय डर बना रहता है। भारी वाहन, तेज रफ्तार और संकरी सड़कें दुर्घटनाओं को न्योता दे रही हैं। उनके अनुसार, सड़क का फोरलेन होना अब बेहद जरूरी हो गया है। भागीरथी विहार निवासी अमन कुमार ने बताया कि हरिद्वार-लक्सर रोड पर यातायात का दबाव दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। वाहनों की बढ़ती संख्या के चलते आए दिन हादसे हो रहे हैं, जिससे आमजन में भय का माहौल है। उन्होंने भी सड़क के फोरलेन किए जाने को समय की मांग बताया।

वहीं प्रॉपर्टी कारोबारी शिव कुमार चौहान का कहना है कि क्षेत्र में तेजी से बढ़ती जनसंख्या और विकास गतिविधियों को देखते हुए सड़क का चौड़ीकरण अनिवार्य है। फोरलेन बनने से न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि यातायात भी सुगम होगा और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

बता दे कि हरिद्वार-लक्सर रोड का फोरलेन होना अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। जनता उम्मीद कर रही है कि सरकार और संबंधित विभाग जल्द इस दिशा में ठोस कदम उठाएंगे।

संपादकीय

अंकिता भंडारी प्रकरण: राजनीति की तपिश में न्याय की कसौटी

अंकिता भंडारी प्रकरण एक बार फिर उत्तराखंड की सियासत के केंद्र में आ गया है। विपक्षी पार्टी कांग्रेस और सत्ताधारी भाजपा आमने-सामने हैं। कांग्रेस जहां इस मुद्दे को सरकार की विफलता और महिला सुरक्षा से जोड़कर आक्रामक ढंग से उठा रही है, वहीं भाजपा पूरे मामले में डिफेंसिव मोड में नजर आ रही है। सड़कों पर प्रदर्शन, एक-दूसरे के पुतले फूंकना और तीखी बयानबाजी इस बात का संकेत है कि मामला अब न्याय से ज्यादा राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा बनता जा रहा है।

समूचे प्रदेश में अंकिता भंडारी का नाम एक बार फिर गूंज रहा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इस शोरगुल के बीच पीड़िता को न्याय मिलने की प्रक्रिया तेज हुई है? जनता का आक्रोश स्वाभाविक है, क्योंकि यह मामला केवल एक अपराध नहीं, बल्कि सत्ता, प्रभाव और कानून के दुरुपयोग से जुड़ा माना जाता है। ऐसे मामलों में राजनीति का हस्तक्षेप न्याय की राह को और कठिन बना देता है।

चिंताजनक पहलू यह है कि अंकिता भंडारी प्रकरण में ओडियो के माध्यम से चिंगारी लगाने वाली बताई जा रही अभिनेत्री उर्मिला सनावर अभी तक भूमिगत है और पूर्व विधायक सुरेश राठौड़ का भी कोई स्पष्ट सुराग सामने नहीं आया है। यह स्थिति प्रशासन और जांच एजेंसियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

उत्तराखंड पुलिस इस प्रकरण में उर्मिला के कथित ओडियो की सच्चाई को स्पष्ट नही कर पाई। जनता की ओर से सवाल उठ रहा कि यदि प्रभावशाली लोगों की भूमिका संदिग्ध है और वे कानून की पहुंच से बाहर हैं, तो आम जनता का भरोसा कैसे कायम रहेगा ?

कांग्रेस यदि सरकार को कटघरे में खड़ा कर रही है तो उसे भी यह स्पष्ट करना होगा कि उसका उद्देश्य केवल राजनीतिक लाभ नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और त्वरित न्याय है। वहीं भाजपा सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर यह साबित करे कि कानून सबके लिए समान है, चाहे वह कितना ही ताकतवर क्यों न हो।

अंकिता भंडारी प्रकरण उत्तराखंड सरकार के लिए एक कसौटी है–राजनीति की नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की। यदि यह मामला भी केवल नारों और पुतलों तक सिमट गया, तो यह प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा और जनता के भरोसे, दोनों के साथ अन्याय होगा।

उधार की चमक और अर्थव्यवस्था की सच्चाई

सनत जैन

अख़बारों की सुर्खियाँ आज भारत को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताकर जश्न मना रही हैं। कहा जा रहा है, जापान को भारत ने पीछे छोड़ दिया है। जर्मनी को भी भारत जल्द पीछे छोड़ देगा। सवाल यह है, इस बढ़ती अर्थव्यवस्था का आम आदमी की ज़िंदगी से क्या रिश्ता है? जिस देश में अमीरों, मध्यमवर्गी परिवारों और गरीबों के बीच में आर्थिक असमानता हो। जहां आय का बड़ा हिस्सा कुछ गिने-चुने हाथों में सिमटता जा रहा हो, वहां जीडीपी का आंकड़ा हकीकत नहीं बताता है। दुनिया की आबादी में भारत की आबादी 17 फ़ीसदी है। ब्रिटेन, जापान और जर्मनी की कुल आबादी मात्र तीन फ़ीसदी है। भारत की आबादी 140 करोड़ है। ब्रिटेन जर्मनी और जापान तीनों की आबादी मात्र 24 करोड़ है ऐसी स्थिति में जीडीपी को अर्थव्यवस्था का मानदंड मानना कहीं से भी उन देशों की बराबरी करने जैसा नहीं है। रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया की ताज़ा फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट इसी हकीकत को उजागर कर रही है। रिपोर्ट बताती है कि मार्च 2025 तक भारत में घरेलू कर्ज जीडीपी के 41.3 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जो पांच साल के औसत से भी ज्यादा है। यह कर्ज सरकार या राज्यों का नहीं है, बल्कि आम नागरिकों के सिर पर कर्ज का बोझ है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड, वाहन और घरेलू सामान के लिए लिया गया कर्ज, तेजी से बढ़ा है। इसका मतलब है, कि आम आदमी को कर्ज लेकर खर्च करना पड़ रहा है। जबकि उत्पादन, कारोबार और कृषि क्षेत्र से जुड़ा कर्ज व्यक्तिगत कर्ज की तुलना में कम है। इसका सीधा मतलब है, देश में कर्ज का बड़ा हिस्सा मध्य और निम्न वर्ग को कर्ज लेकर खर्च करना पड़ रहा है। बैंकों और अन्य माध्यमों से जो कर्ज लिया जा रहा है, उसका उपयोग आय बढ़ाने या रोजगार पैदा करने वाले निवेश के रूप में नहीं हो रहा है। यह अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। जब लोग टीवी, फ्रिज या रोजमर्रा की जरूरतें यहां तक की खाने-पीने, शादी-विवाह, टैक्स और पढ़ाई के लिए ईएमआई पर कर्ज लेने को मजबूर हों। तो यह संकेत है, मध्य एवं निम्न वर्ग की आमदनी जरूरतों के मुकाबले कम है। ऐसी स्थिति में जीडीपी की ग्रोथ चाहे 8 प्रतिशत से ऊपर दिखे, अर्थव्यवस्था की दृष्टि से यह एक खतरनाक संकेत है। जीडीपी में शेयर बाजार सहित अन्य कई चीज ऐसी शामिल हैं, जो जीडीपी को बेहतर बनाती हैं लेकिन आम आदमी की बदहाली का वास्तविक स्वरूप प्रदर्शित नहीं होता है।

वर्तमान हालात बैंकिंग सिस्टम के लिए खतरे की घंटी है। जिस तरह की स्थितियां बन गई हैं। लोगों की नौकरी छूट रही है, रोजगार के अवसर कम हो रहे हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ता ही जा रहा है। अचानक खर्च आ जाए, तो कर्ज चुकाने में लोग सक्षम नहीं हो रहे हैं। जिनके कारण एनपीए भी बैंकों का बढ़ता चला जा रहा है। ईएमआई देने में देर होती है, तो ब्याज कई गुना बढ़ जाता है। इससे ग्राहक और बैंक दोनों ही तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। इसका बैंकिंग वित्तीय व्यवस्था पर असर दिखने लगा है। आरबीआई की रिपोर्ट कहती है, आम लोगों की सेविंग्स कम हो रही है, उनके ऊपर कर्ज बढ़ रहा है। वित्तीय स्थिति दिन प्रतिदिन कमजोर हो रही है।

असल चिंता यह है, वर्तमान में जीडीपी का यह मॉडल टिकाऊ नहीं है। जब तक एमएसएमई, छोटे उद्योग, कृषि और रोजगार सृजन को प्राथमिकता नहीं मिलेगी, यह क्षेत्र विकसित नहीं होगा। तब तक उधार पर टिकी अर्थव्यवस्था देश की आर्थिक स्थिति को कमजोर ही बनाएगी। जीडीपी की रैंकिंग से ज्यादा ज़रूरी है, लोगों की क्रय शक्ति बढ़े, स्थिर रोजगार और सम्मानजनक जीवन के अवसर तेजी के साथ बढ़ें। जीडीपी के चमकदार आंकड़ों के पीछे छिपी उधारी की अर्थव्यवस्था तथा गरीबों और अमीरों के बीच में बढ़ती आर्थिक असमानता भारत के लिए गंभीर संकट के रूप में कभी भी बदल सकता है। भारत की 140 करोड़ की आबादी में लगभग 80 करोड़ आबादी 5 किलो के मुफ्त अनाज तथा तरह-तरह की सरकारी योजनाओं पर आश्रित है। पिछले एक दशक में पूंजीपतियों की आय और संपत्ति में बड़ी तेजी के साथ इजाफा हो रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था और टैक्स में इस वर्ग का सबसे कम योगदान है। बैंकों द्वारा इसी पूंजीवादी व्यवस्था को सबसे ज्यादा संरक्षण दिया जा रहा है। हर साल उनके हजारों करोड रुपए का ऋण माफ कर दिया जाता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इसका बहुत बड़ा असर देखने को मिल रहा है जिसके कारण रोजगार भी ग्रामीण क्षेत्रों में घटा है। औद्योगिक उत्पादन भी लगातार घट रहा है। ऐसी स्थिति में शेयर मार्केट और अन्य निवेश के जरिए हम जीडीपी को कब तक विकास के मानक पर रख पाएंगे।

बदलते समाज, कानून और अपराध की नई तस्वीर

कांतिलाल मांडोत

भारतीय जेलों में महिला कैदियों की संख्या में आई तेज़ बढ़ोतरी केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज, कानून व्यवस्था और सामाजिक संरचना में आए गहरे बदलावों का संकेत है। हाल में जारी इंस्टीट्यूट फॉर क्राइम एंड जस्टिस पॉलिसी रिसर्च आईसीपीआर की रिपोर्ट वर्ल्ड फीमेल इम्प्रिजनमेंट लिस्ट बताती है कि पिछले दो दशकों में भारतीय जेलों में महिलाओं की संख्या पुरुषों और सामान्य जनसंख्या की तुलना में दोगुनी रफ्तार से बढ़ी है। वर्ष 2000 में जहां महिला कैदियों की संख्या 9,089 थी, वहीं 2022 तक यह बढ़कर 23,772 हो गई। यह 162 प्रतिशत की वृद्धि है, जबकि इसी अवधि में पुरुष कैदियों की संख्या 77 प्रतिशत बढ़ी और देश की कुल आबादी में लगभग 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

यह स्थिति अपने आप में कई सवाल खड़े करती है। क्या महिलाएं पहले की तुलना में ज्यादा अपराध करने लगी हैं, या फिर कानून और समाज की नजर महिलाओं पर पहले से अधिक सख्त हो गई है। क्या यह बदलाव महिलाओं की बढ़ती स्वतंत्रता और सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी का अनचाहा परिणाम है, या फिर सामाजिक-आर्थिक दबावों का असर है। इन सवालों के जवाब तलाशना जरूरी है, क्योंकि महिला अपराध और महिला कैदियों की बढ़ती संख्या समाज के स्वास्थ्य का आईना होती है।

स्वतंत्रता के बाद के शुरुआती दशकों में भारतीय समाज की संरचना अपेक्षाकृत पारंपरिक थी। महिलाओं की भूमिका मुख्य रूप से घर-परिवार तक सीमित मानी जाती थी। शिक्षा और रोजगार में उनकी भागीदारी सीमित थी और सार्वजनिक जीवन में उनकी मौजूदगी कम दिखाई देती थी। उस दौर में महिला अपराध की घटनाएं कम थीं और जो मामले सामने आते भी थे, वे अधिकतर घरेलू विवाद, पारिवारिक झगड़े या परिस्थितिजन्य अपराधों से जुड़े होते थे। समाज और कानून दोनों ही महिलाओं को अपराधी के रूप में देखने से कतराते थे। यह धारणा प्रचलित थी कि महिला अपराध स्वभाव से नहीं, बल्कि मजबूरी या किसी पुरुष के प्रभाव में होता है।

न्यायिक व्यवस्था में भी महिलाओं के प्रति एक प्रकार की नरमी देखने को मिलती थी। जमानत, सजा और विचाराधीन मामलों में महिलाओं को अक्सर राहत मिल जाती थी। सामाजिक सोच यह मानती थी कि महिला को सुधार की जरूरत है, न कि कठोर दंड की। यही वजह थी कि महिला कैदियों की संख्या लंबे समय तक सीमित रही।

लेकिन इक्कीसवीं सदी के साथ भारत तेजी से बदला। शहरीकरण, औद्योगीकरण और वैश्वीकरण ने सामाजिक ढांचे को नई दिशा दी। महिलाएं शिक्षा, रोजगार, व्यापार और राजनीति में आगे बढ़ीं। उन्होंने घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर आर्थिक और सामाजिक जिम्मेदारियां संभालीं। यह बदलाव सकारात्मक था और आज की महिला पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनी। लेकिन इसी बदलाव के साथ अपराध की दुनिया का स्वरूप भी बदला और महिलाओं की भूमिका उसमें बढ़ने लगी।

आईसीपीआर रिपोर्ट के अनुसार, आज महिलाएं संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, आर्थिक अपराध और साइबर अपराध जैसे मामलों में अधिक संख्या में सामने आ रही हैं। यह बदलाव दर्शाता है कि अपराध अब केवल हाशिए पर खड़े लोगों की मजबूरी नहीं रहा, बल्कि एक संगठित और नेटवर्क आधारित गतिविधि बन चुका है। इन नेटवर्कों में महिलाओं को कम संदेहास्पद मानकर इस्तेमाल किया जाता है, जिससे वे अपराध के जाल में फंस जाती हैं।

इसके साथ ही न्यायिक रुझान में भी बड़ा बदलाव आया है। कानून के सामने समानता के सिद्धांत को अधिक सख्ती से लागू किया जा रहा है। अब महिला और पुरुष अपराधियों के बीच भेदभाव कम हुआ है। जहां पहले महिला होने के कारण राहत मिल जाती थी, वहीं अब अपराध की प्रकृति के आधार पर सजा तय की जा रही है। यह समानता जरूरी है, लेकिन इसका असर आंकड़ों में महिला कैदियों की संख्या बढ़ने के रूप में भी दिख रहा है। महिला अपराध के पीछे कई सामाजिक और आर्थिक कारण काम कर रहे हैं। तेजी से बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और असमान विकास ने समाज के कमजोर वर्गों पर दबाव बढ़ाया है। महिलाएं, खासकर शहरी झुग्गियों और ग्रामीण इलाकों की महिलाएं, आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं। रोजगार के सीमित अवसर और कम आय उन्हें अवैध गतिविधियों की ओर धकेल देते हैं। कई मामलों में महिलाएं अपराध की मुख्य योजनाकार नहीं होतीं, बल्कि किसी बड़े गिरोह का हिस्सा बन जाती हैं। पारिवारिक और सामाजिक टूटन भी एक बड़ा कारण है। संयुक्त परिवारों का विघटन, घरेलू हिंसा, तलाक और अकेलेपन ने महिलाओं को मानसिक रूप से कमजोर किया है। कई महिलाएं अपने अस्तित्व और सुरक्षा के लिए गलत रास्ते चुन लेती हैं। इसके अलावा शिक्षा और कानूनी जागरूकता की कमी भी महिला अपराध को बढ़ावा देती है। कई बार महिलाएं यह समझ ही नहीं पातीं कि वे जिस गतिविधि में शामिल हैं, वह गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है।

हाल के वर्षों में बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ सघन अभियानों के कारण भी महिला कैदियों की संख्या बढ़ी है। अनुमान के अनुसार, केवल पश्चिम बंगाल की जेलों में 358 बांग्लादेशी महिलाएं कैद हैं। यह स्थिति सीमा सुरक्षा, अवैध प्रवासन और मानव तस्करी जैसे मुद्दों को भी उजागर करती है। इन महिलाओं में से कई तस्करी का शिकार होती हैं, लेकिन कानून की नजर में वे अपराधी बन जाती हैं।

महिला कैदियों की बढ़ती संख्या ने जेल प्रशासन के सामने भी नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। पुरुष प्रधान जेल व्यवस्था महिलाओं की विशेष जरूरतों को पूरा करने में अभी भी पीछे है। गर्भवती महिला कैदियों, बच्चों के साथ रहने वाली महिलाओं, मानसिक स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसी समस्याएं गंभीर रूप ले रही हैं। जेलों में पुनर्वास और सुधार की व्यवस्था कमजोर होने के कारण कई महिलाएं जेल से बाहर आने के बाद फिर से अपराध की दुनिया में लौट जाती हैं।

इस समस्या का समाधान केवल सख्त कानून या ज्यादा जेलें बनाकर नहीं निकाला जा सकता। महिला अपराध को समझने के लिए हमें समाज की जड़ों तक जाना होगा। महिलाओं के लिए स्थायी रोजगार, कौशल विकास और आर्थिक सशक्तिकरण बेहद जरूरी है। जब महिलाओं के पास सम्मानजनक आजीविका के साधन होंगे, तो वे अपराध की ओर कम आकर्षित होंगी। इसके साथ ही कानूनी जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है, ताकि महिलाएं अनजाने में अपराध का हिस्सा न बनें। संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी में महिलाओं का इस्तेमाल करने वाले गिरोहों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। महिलाओं को मोहरे की तरह इस्तेमाल करने वालों को कानून का कड़ा संदेश मिलना जरूरी है।

मौन होती पक्षियों की चहचहाहट: विकास की दौड़ में पीछे न छूट जाए प्रकृति का संगीत

दिलीप कुमार पाठक

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में पक्षियों की भूमिका अद्वितीय और अपरिहार्य है। हर साल 5 जनवरी को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय पक्षी दिवस हमें इसी ध्रुव सत्य की याद दिलाता है कि पक्षी केवल सुंदर जीव नहीं, बल्कि हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के सबसे महत्वपूर्ण प्रहरी हैं। आज जब हम वर्ष 2026 के आधुनिक दौर में खड़े हैं, तो यह दिन केवल पक्षियों की सुंदरता को निहारने का नहीं, बल्कि उनके अस्तित्व पर मंडराते गंभीर खतरों को समझने का बन गया है। पक्षी बीजों के प्रकीर्णन से लेकर कीट-पतंगों के नियंत्रण तक में जो भूमिका निभाते हैं, उसके बिना जंगलों का विस्तार रुक जाएगा और पूरी कृषि व्यवस्था चरमरा जाएगी। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि कंक्रीट के जंगलों ने इन नन्हें जीवों के घर छीन लिए हैं। ऊँची इमारतों की चकाचौंध और मोबाइल टावरों से निकलने वाले अदृश्य रेडिएशन ने उनके खुले आकाश को एक जहरीले जाल में बदल दिया है। वह समय अब एक धुंधली याद बनता जा रहा है जब घरों के आँगन में गौरैया की चहचहाहट से सुबह हुआ करती थी। हमने अपनी सुख-सुविधाओं के लिए जो आधुनिक ढांचे तैयार किए, उन्होंने पक्षियों के प्राकृतिक बसेरे उजाड़ दिए। अगर हम अपना मूल्यांकन करें तो पाएंगे कि हम सब प्रकृति एवं प्राकृतिक सौंदर्य उजाड़ने, के गुनहगार हैं, हमने पशु पक्षियों के आशियाने उजाड़ दिए हैं द्य प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण आज कई प्रजातियाँ विलुप्ति की कगार पर हैं। विशेष रूप से गिद्ध जैसे प्राकृतिक सफाईकर्मी अब आसमान से लगभग गायब हो चुके हैं, जो पर्यावरण की स्वच्छता के लिए एक बड़ा संकट है। खेतों में कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग न केवल मिट्टी को जहरीला बना रहा है, बल्कि पक्षियों के स्वास्थ्य और उनकी प्रजनन क्षमता को भी नष्ट कर रहा है। जलस्रोतों के सूखने और आर्द्रभूमि के सिमटने से हजारों मील की यात्रा कर आने वाले प्रवासी पक्षियों के मार्ग और उनके पड़ाव पूरी तरह बदल गए हैं। तकनीक के इस युग में हमें यह समझना होगा कि पक्षी संरक्षण का अर्थ केवल उन्हें दाना डालना भर नहीं है, बल्कि उनके लिए एक सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त वातावरण तैयार करना है। हमें अपने शहरी नियोजन में बर्ड फ्रेंडली आर्किटेक्चर को शामिल करना होगा और अधिक से अधिक देशी वृक्ष लगाने होंगे ताकि उन्हें प्राकृतिक आवास मिल सके। पक्षी दिवस हमें याद दिलाता है कि इस धरती पर जितना अधिकार मनुष्यों का है, उतना ही इन मूक प्राणियों का भी है, ऐसा नहीं है कि हम इस प्रकृति को अपनी बपौती मानकर बेजुबान पशु पक्षियों पर क्रूरतापूर्ण अत्याचार करें। पक्षी बायोलॉजिकल इंडिकेटर होते हैं; उनकी घटती संख्या इस बात का स्पष्ट संकेत है कि हमारा पर्यावरण अब हमारे लिए भी स्वस्थ नहीं रह गया है। नीले आकाश में निर्भय उड़ते पक्षी स्वतंत्रता और जीवंतता के सबसे सुंदर प्रतीक हैं, जो हमें सीमाओं से परे जाकर सोचने की प्रेरणा देते हैं। यदि हम आज भी प्लास्टिक के उपयोग और शोरगुल वाले प्रदूषण को कम नहीं करते, तो वह दिन दूर नहीं जब पक्षियों का मधुर कलरव केवल डिजिटल रिकॉर्डिंग में ही सुनने को मिलेगा।

बर्डमैन ऑफ इंडिया सलीम अली जैसे महान व्यक्तित्वों ने जो राह दिखाई थी, उस पर चलते हुए हमें प्रत्येक नागरिक को पक्षी मित्र बनाना होगा। स्कूलों में बच्चों को पक्षी दर्शन और उनके महत्व के बारे में शिक्षित करना अनिवार्य है, ताकि नई पीढ़ी में प्रकृति के प्रति संवेदना विकसित हो सके। 5 जनवरी का यह संकल्प केवल एक दिन का औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि एक स्थायी व्यवहार होना चाहिए। नदियों का पुनरुद्धार और जंगलों की रक्षा ही पक्षियों के लिए वास्तविक वरदान साबित होगी। अंततः, हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम प्रकृति के स्वामी नहीं बल्कि उसका एक छोटा सा हिस्सा हैं। क्षितिज पर उड़ते ये पंख केवल आकाश की शोभा नहीं, बल्कि हमारे जीवित होने का प्रमाण हैं।

विकास की ऊँची उड़ान भरते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जिस दिन परिंदों का कलरव मौन हो जाएगा, उस दिन प्रकृति का संगीत भी थम जाएगा। आइए, हम सब मिलकर उनकी स्वतंत्रता और आवास की रक्षा का संकल्प लें, क्योंकि पक्षियों का सुरक्षित होना ही पृथ्वी के सुंदर भविष्य की पहली शर्त है। जब तक नीला गगन उनकी चहचहाहट से गूंजता रहेगा, जब तक आकाश में पक्षियों के झुंड निर्भय होकर उड़ते रहेंगे, तभी तक यह पृथ्वी रहने योग्य और संतुलित बनी रहेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने 9.43 लाख पेंशनधारकों के खाते में 140.26 करोड़ रुपये भेजे

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय से समाज कल्याण विभाग की विभिन्न पेंशन योजनाओं के अंतर्गत दिसंबर माह की पेंशन किश्त डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में जारी की। इस अवसर पर कुल 9 लाख 43 हजार 964 लाभार्थियों के बैंक खातों में 140 करोड़ 26 लाख 97 हजार रुपये की धनराशि ऑनलाइन स्थानांतरित की गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। वृद्धजन, विधवाएं, दिव्यांगजन और निराश्रित व्यक्तियों को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि डीबीटी प्रणाली के माध्यम से भुगतान से न केवल पारदर्शिता बढ़ी है, बल्कि समय पर लाभार्थियों तक सहायता पहुंच रही है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्रता प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि जिन नागरिकों की आयु 60 वर्ष पूर्ण होने वाली है, उनका 59 वर्ष की आयु से ही चिन्हीकरण किया जाए, ताकि पात्रता पूरी होते ही पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू किया जा सके और किसी को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पेंशन योजनाओं के अंतर्गत कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। इसके लिए नियमित सत्यापन, निगरानी और डेटा अद्यतन की प्रक्रिया को और सुदृढ़ किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को बिना किसी कठिनाई के योजनाओं का लाभ मिले और जनहित की योजनाएं जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू हों।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की जानकारी भी ली और आवश्यक सुधारों के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर निदेशक समाज कल्याण डॉ. संदीप तिवारी, अपर सचिव प्रकाश चन्द्र सहित समाज कल्याण विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

केजीबीवी त्यूनी को मिलेगा समतल खेल मैदान, डीएमएफ से 10 लाख स्वीकृत

पथ प्रवाह, देहरादून। जनपद देहरादून में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार ठोस कदम उठा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के मार्गदर्शन एवं जिलाधिकारी सविन बंसल के सतत प्रयासों के फलस्वरूप कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) टाईप-1, त्यूनी, विकासखण्ड चकराता में खेल मैदान के समतलीकरण के लिए जिला खनिज फाउंडेशन न्यास (डीएमएफ) से कुल 10 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत प्रथम किश्त के रूप में 6 लाख रुपये की धनराशि निर्गत कर दी गई है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने बताया कि जनपद में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ खेल अवस्थापना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे छात्र-छात्राओं का शारीरिक, मानसिक एवं सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। उल्लेखनीय है कि केजीबीवी त्यूनी में पूर्व में निर्मित खेल मैदान बजट के अभाव में समतल नहीं हो सका था। मैदान के उबड़-खाबड़ होने तथा वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या के कारण छात्राओं को खेल गतिविधियों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या के समाधान हेतु जिला विकास अधिकारी द्वारा खेल मैदान के समतलीकरण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसकी अनुमानित लागत 9.40 लाख रुपये आंकी गई थी। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार प्रस्ताव को डीएमएफ की शासी परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां परीक्षण एवं विचारोपरांत कुल 10 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत धनराशि में से 60 प्रतिशत राशि प्रथम किश्त के रूप में जारी की गई है, जबकि शेष 40 प्रतिशत राशि उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं तृतीय पक्ष जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद निर्गत की जाएगी। इस पहल से केजीबीवी त्यूनी की छात्राओं को सुरक्षित, समतल एवं उपयोगी खेल मैदान उपलब्ध होगा। इसके साथ ही प्रोजेक्ट उत्कर्ष के अंतर्गत जिले के सरकारी विद्यालयों को निजी विद्यालयों की भांति आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है, जिससे शिक्षा का स्तर और अधिक बेहतर हो सके।

मृतकों के शव से रजाई उतारकर महंगे दामों में बेचने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून। थाना रानीपोखरी पुलिस ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले एक गंभीर मामले का खुलासा करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये लोग ऋषिकेश क्षेत्र से मृत व्यक्तियों के ऊपर प्रयुक्त रजाई-गद्दों को एकत्र कर उनकी कपास को नई कपास में मिलाकर आम जनता को महंगे दामों पर बेच रहे थे। थाना रानीपोखरी में यह कार्रवाई दिनांक 03 जनवरी 2026 को अमित सिंह पुत्र स्व. दीपचंद सिंह, निवासी डाण्डी, रानीपोखरी की लिखित तहरीर पर की गई। तहरीर के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 02/2026 धारा 299 बीएनएस के अंतर्गत दर्ज किया गया। शिकायत में बताया गया कि इस कृत्य से क्षेत्र में भारी रोष व्याप्त है और लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रानीपोखरी चौक स्थित मंसूरी क्लाथ हाउस पर दबिश दी, जहां से साक्ष्यों के आधार पर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि संजय नामक व्यक्ति पुराने रजाई-गद्दे एकत्र कर सलमान व हामिद अली को बेचता था। इसके बाद कपास को नई कपास में मिलाकर तैयार रजाई-गद्दे आम लोगों को ऊंचे दामों पर बेचे जाते थे। गिरफ्तार अभियुक्तों में सलमान (24 वर्ष) व हामिद अली (55 वर्ष), निवासी मंडी धनौरा, जिला अमरोहा (उ.प्र.), हाल निवासी रानीपोखरी चौक, देहरादून तथा संजय (35 वर्ष), निवासी ऋषिकेश शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक हरीश सती, कांस्टेबल रवि कुमार और कांस्टेबल वासुदेवगिरी शामिल रहे।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने 14 करोड़ की सीवर योजना का किया शिलान्यास

पथ प्रवाह, देहरादून

मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पथरियापीर, नीलकंठ विहार, इंदिरा कॉलोनी एवं चुक्कुवाला क्षेत्रवासियों को स्वच्छता और बेहतर सीवरेज सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने नैशविला रोड स्थित पथरियापीर-नीलकंठ विहार सीवर योजना का विधिवत शिलान्यास किया। इस योजना पर कुल 1390.83 लाख (लगभग 14 करोड़ रुपये) की लागत आएगी।

शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि क्षेत्रवासी लंबे समय से सीवर लाइन की मांग कर रहे थे, जिसे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आज साकार किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि योजना के पूर्ण होने से क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ होगी और गंदे पानी की समस्या से स्थायी समाधान मिलेगा। यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक अहम पहल साबित होगी।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इस सीवर योजना से क्षेत्र की 13 हजार से अधिक आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मंत्री गणेश जोशी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि आम जनता को शीघ्र लाभ मिल सके।

इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने क्षेत्रवासियों की मांग को देखते हुए नीलकंठ विहार में ट्यूबवेल लगाने की भी घोषणा की, जिससे पेयजल समस्या का समाधान किया जा सकेगा। उन्होंने योजना के लिए क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि वह क्षेत्र में एक जनप्रतिनिधि ही नहीं, बल्कि भाई और बेटे के रूप में सेवा भाव से कार्य करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान राजपुर क्षेत्र की पार्षद महिमा पुंडीर और पूर्व प्रधान समीर पुंडीर के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कैबिनेट मंत्री ने सभी नए सदस्यों को भाजपा का पटका पहनाकर पार्टी में स्वागत किया।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, भाजपा प्रदेश मंत्री नेहा जोशी, मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, राजीव गुरुंग सहित अनेक जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

हरिद्वार में डॉक्टर एवं हॉस्पिटल एसोसिएशन का गठन, चिकित्सकों की सुरक्षा बनेगी प्राथमिकता

अस्पतालों में तोड़फोड़ व चिकित्सा कर्मियों पर हिंसा के खिलाफ ढाल बनेगा संगठन : डॉ. विशाल वर्मा

पथ प्रवाह, हरिद्वार

शहर के चिकित्सकों ने चिकित्सा जगत की गरिमा को बनाए रखने और डॉक्टरों व अस्पतालों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डॉक्टर एवं हॉस्पिटल एसोसिएशन का गठन किया है। एसोसिएशन के नवगठित पदाधिकारियों ने प्रैस क्लब हरिद्वार में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान संगठन के उद्देश्यों, नीतियों और भावी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी।

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. विशाल वर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में अस्पतालों में बढ़ रही तोड़फोड़, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के साथ उग्र भीड़ द्वारा की जाने वाली हिंसक घटनाएं चिंता का विषय हैं। ऐसे में डॉक्टरों और अस्पतालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह एसोसिएशन एक मजबूत मंच के रूप में कार्य करेगी और हर स्तर पर चिकित्सकों के हितों की रक्षा करेगी।

एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. सुचित्रा सिंह एवं डॉ. अभिषेक गोयल ने कहा कि मरीजों और चिकित्सकों के बीच विश्वास और बेहतर संवाद स्थापित करना संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल है, जिससे उपचार प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी हो सके। कोषाध्यक्ष डॉ. श्रेया गोयल ने स्पष्ट किया कि एसोसिएशन की सदस्यता केवल उन्हीं चिकित्सकों और संस्थानों को प्रदान की जाएगी जो निर्धारित चिकित्सा मानकों और नियमों का पूर्ण पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाना और नियमों के भीतर कार्य करने वाले अस्पतालों को संरक्षण प्रदान करना संगठन का प्रमुख उद्देश्य है। साथ ही तकनीकी कारणों से होने वाली अवैध सीलिंग की कार्रवाई को रोकने के लिए भी एसोसिएशन प्रयास करेगी। संयुक्त सचिव डॉ. एच. रहमान, डॉ. कशिश सचदेवा एवं डॉ. मोहित चौहान ने कहा कि आम जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं, सही उपचार और चिकित्सा प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करना भी संगठन की जिम्मेदारी होगी।

मुख्य समन्वयक डॉ. नितीश सैनी एवं मीडिया समन्वयक डॉ. अभिषेक पाराशर और डॉ. वीनस कुमार ने बताया कि एसोसिएशन शासन-प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर जनहित और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ. संजय माहेश्वरी, डॉ. राकेश सिंघल, डॉ. विपिन मेहरा, डॉ. सलोनी बस्सी, डॉ. शौर्य शर्मा, डॉ. ऋषभ दीक्षित, अश्वनी कुमार, डॉ. अभय चौहान एवं डॉ. भरत सेठी सहित अनेक चिकित्सक उपस्थित।

एसएसपी की सख्ती के बाद युवक गिरफ्तार, फेसबुक लाइव में महिला से अभद्रता

पथ प्रवाह, नैनीताल।

महिला सुरक्षा और सम्मान के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी. ने सोशल मीडिया पर वायरल एक आपत्तिजनक वीडियो का संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। फेसबुक पर लाइव वीडियो के माध्यम से वाहन चलाते हुए गाली-गलौच करने और राह चलती महिलाओं पर अश्लील टिप्पणियां करने वाले युवक को हल्द्वानी पुलिस ने हिरासत में लेकर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

विदित हो कि रक्षित शर्मा नामक फेसबुक यूजर द्वारा एक लाइव वीडियो प्रसारित किया गया, जिसमें वह वाहन चलाते हुए न केवल यातायात नियमों की अनदेखी करता दिखा, बल्कि सार्वजनिक रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए महिलाओं पर अश्लील टिप्पणियां करता हुआ भी नजर आया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में रोष व्याप्त हो गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए महिला सुरक्षा के दृष्टिगत प्रभारी निरीक्षक कोतवाली हल्द्वानी विजय मेहता को त्वरित एवं कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही हल्द्वानी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में लिया।

पुलिस द्वारा प्रोफाइल संचालक रक्षित शर्मा पुत्र ललित शर्मा, निवासी दमुवाढूगा के विरुद्ध कोतवाली हल्द्वानी में मुकदमा एफआईआर संख्या 4/26 धारा 296 बीएनएस के अंतर्गत पंजीकृत किया गया। साथ ही आरोपी को धारा 172 बीएनएस के तहत पुलिस हिरासत में लिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

एसएसपी नैनीताल मंजूनाथ टीसी ने कहा कि जनपद में महिला सुरक्षा एवं सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के प्रति अभद्र भाषा, अश्लील टिप्पणियां या आपत्तिजनक आचरण किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

एसएसपी ने चेतावनी देते हुए कहा कि इस प्रकार के कृत्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल और कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। नैनीताल पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है कि यदि इस प्रकार की किसी भी गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

एक नजर

13 साल की नाबालिग से गैंगरेप

बेंगलुरु। कर्नाटक के हुबली में 13 साल की नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है। तीनों आरोपी भी नाबालिग हैं, वे पीड़ित के घर के पास ही रहते हैं। तीनों ने घटना को तब अंजाम दिया जब लड़की के माता-पिता घर से बाहर गए थे। वे पीड़ित को बहला फुसला कर सुनसान जगह पर ले गए और उसके साथ रेप किया, फिर वीडियो भी रिकॉर्ड किया। पुलिस ने आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। उनके खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी दो लड़के हाई स्कूल के छात्र हैं, जबकि तीसरा पढ़ाई छोड़ चुका है। लड़की के माता-पिता ने बताया कि लड़कों ने उसे धमकी दी थी और कहा था कि उन्होंने हमले का वीडियो रिकॉर्ड किया है। पुलिस आरोपियों के मोबाइल जब्त कर रही है और जांच कर रही है।

पत्थर की खदान में विस्फोट, 2 की मौत

ढेंकनाल। ओडिशा में ढेंकनाल जिले के मोटांगा पुलिस स्टेशन इलाके में शनिवार देर रात एक पत्थर की खदान में बड़ा धमाका हुआ। जिससे 2 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है। जिनके रेस्क्यू के लिए बचाव दल अभियान चला रहा है। वहीं इस विस्फोट से इलाके में अवैध खनन गतिविधि को लेकर चिंता भी बढ़ गई है। यह धमाका गोपालपुर गांव के पास एक अवैध खदान में हुआ। घटना की जानकारी लगते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची व इलाके को सुरक्षित कर लिया। वहीं सूचना मिलने पर ओडापाड़ा तहसीलदार और मोटांगा पुलिस स्टेशन के कर्मी खदान पर पहुंचे और शुरुआती जांच शुरू की। पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई और पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया, ताकि आम लोगों के प्रवेश को रोका जा सके। साथ ही प्रभावित क्षेत्र के पास आवाजाही को भी रोक दिया गया है।

उड़ान से पहले विमान में फ्यूल लीकेज

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर उड़ान से पहले विमान में फ्यूल लीकेज हो गया। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-622 जयपुर से मुंबई के लिए रवाना होने वाली थी। सभी यात्रियों की बोर्डिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद एयरक्राफ्ट रनवे की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान पायलट को इंजन में तकनीकी खराबी का सिग्नल मिला। पायलट ने पैसेंजर्स की सुरक्षा को देखते हुए विमान का टेकऑफ रोक दिया। एयरपोर्ट से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, जांच में एयरक्राफ्ट के इंजन से फ्यूल लीकेज की पुष्टि हुई। एहतियातन सभी पैसेंजर्स को एयरक्राफ्ट से सुरक्षित उतार लिया गया। उन्हें एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग में वापस लाया गया। अचानक हुई इस घटना से पैसेंजर्स में कुछ समय के लिए घबराहट का माहौल बन गया।

राम रहीम जेल से 15वीं बार बाहर आएगा

चंडीगढ़। रोहतक की सुनारिया जेल में साध्वियों के यौन उत्पीड़न और पत्रकार हत्या के मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर 40 दिन की पैरोल मिल गई है। इस दौरान राम रहीम डेरा सच्चा सौदा हेडक्वार्टर सिरसा में रहेगा। राम रहीम अभी अपनी दो साथी साध्वियों के साथ रेप के जुर्म में 20 साल की जेल की सजा काट रहा है। अगस्त 2017 में रेप केस में दोषी ठहराए जाने के बाद गुरमीत राम रहीम सिंह इस बार 15वीं बार जेल से बाहर आएगा। इससे पहले 15 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाने के लिए राम रहीम रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर आया था।

संभल में 2 मस्जिदें, एक मदरसा तोड़ा गया

एक मस्जिद को रातभर में लोगों ने खुद ढहाया, दूसरे पर चल रहा बुलडोजर

संभल। संभल में रविवार को दो अवैध मस्जिद और एक मदरसे को ढहा दिया गया है। पहला एक्शन असमोली थाने के हाजीपुर में हुआ। यहां हाजीपुर गांव में बुलडोजर एक्शन से पहले ही एक मस्जिद को गांव के लोगों ने खुद ही तोड़ दिया। लोगों ने रातभर हथौड़े और छेनी से मस्जिद को ढहाया। मस्जिद 1339 वर्ग मीटर (डेढ़ बीघा) भूमि में बनी थी। सुबह जब प्रशासन की टीम पहुंची, तो वहां मस्जिद की जगह मलबा पड़ा हुआ था। यह देखकर तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा- भगवान ने इन लोगों को सद्बुद्धि दी कि इन्होंने खुद-ब-खुद अवैध निर्माण को तोड़ लिया। प्रशासन ने करीब तीन घंटे में बुलडोजर से मलबा हटाया। दूसरा एक्शन भी हाजीपुर गांव में हुआ। मस्जिद से 500 मीटर दूर टीम मदरसा तोडने पहुंची। ढोल पिटवाकर मुनादी कराई गई। तीन बुलडोजरों से 1500 वर्ग मीटर जमीन पर बने अवैध मदरसे को तोड़ा गया है। डीएम-एसपी और भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। तीसरा एक्शन मदरसे से करीब 11 किमी दूर असमोली थाने के राया बुजुर्ग गांव में हुआ। दो बुलडोजरों से 1500 वर्ग मीटर में बनी मस्जिद को तोड़ा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मस्जिद सरकारी जमीन पर बनी थी। 2 अक्टूबर को बुलडोजर एक्शन का नोटिस दिया गया था, लेकिन मस्जिद कमेटी हाईकोर्ट चली गई थी। हाईकोर्ट ने अपील खारिज कर दी थी।

हाईकोर्ट ने किया एक्सीडेंटल क्लेम में कटौती से इंकार, ट्रिब्यूनल के फैसले को बताया सही

चंडीगढ़। सड़क हादसे में एक हैवी वाहन चालक की मौत के बाद उसके परिजनों को मिले मुआवजे को लेकर दायर अपील पर पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल (एमएसीटी) द्वारा तय की गई मुआवजा राशि में किसी भी तरह की कटौती से इंकार कर दिया है और बीमा कंपनी की अपील को सिरे से खारिज कर दिया है।

दरअसल यह मामला एक सड़क दुर्घटना से जुड़ा है, जिसमें हैवी वाहन चालक की मौत हो गई थी। मृतक के परिजनों को एमएसीटी ने 10 जुलाई 2017 को 19.60 लाख का मुआवजा और 7.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का आदेश दिया था। इस फैसले को नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका विमल कौर की ओर से दायर की गई थी।

बीमा कंपनी की दलील थी कि ट्रिब्यूनल ने मृतक की आय जरूरत से ज्यादा मान ली है। कंपनी का कहना था कि मृतक की मासिक आय 15,680 रुपये तय करने के लिए कुरुक्षेत्र के डिप्टी कमिश्नर द्वारा जारी मजदूरी दरों को आधार बनाया गया, जबकि पूरे

हरियाणा राज्य के लिए निर्धारित न्यूनतम मजदूरी इससे कम है। इसलिए मुआवजे की राशि घटाई जानी चाहिए। वहीं, मृतक के परिजनों ने दलील दी कि मुआवजा कम है और इस बढ़ाने के लिए अलग से अपील दायर की गई है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुदीप्ति शर्मा ने कहा कि रिकॉर्ड पर मृतक का ड्राइविंग लाइसेंस मौजूद है। इससे स्पष्ट होता है कि मृतक को हैवी और मीडियम मालवाहक वाहन चलाने की वैध अनुमति थी। इसका अर्थ है कि वह एक कुशल और अनुभवी चालक था। हाईकोर्ट ने कहा कि ट्रिब्यूनल ने मृतक की आय तय करते समय कोई कानूनी गलती नहीं की। ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया जिससे यह साबित हो कि कुरुक्षेत्र में लागू मजदूरी दरें मृतक पर लागू नहीं होती थीं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऊपरी अदालत तभी हस्तक्षेप करती है, जब निचली अदालत का फैसला स्पष्ट रूप से गलत या कानून के खिलाफ हो। केवल अलग दृष्टिकोण की संभावना के आधार पर फैसले में बदलाव नहीं किया जा सकता।

जय शाह ने 2036 ओलंपिक में 100 पदकों का लक्ष्य रखा

कहा – 10 पदक गुजरात की धरती से आएंगे

सूरत। शहर में आज सेवा और खेलभावना का अनोखा संगम देखने को मिला। डॉक्टर हेडगेवार सेवा स्मृति ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'एएम/एनएस रन फोर गर्ल चाइल्ड' चैरिटी रन के दूसरे संस्करण का वीएनएसजीयू परिसर में भव्य आयोजन किया गया। समाज की शोषित और वंचित बेटियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से आयोजित इस दौड़ में आईसीसी चेयरमैन जय शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जय शाह ने भारत की खेल क्षमता और भविष्य के रोडमैप पर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत वर्ष 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन हमारा बड़ा लक्ष्य

2036 में भारत की धरती पर ओलंपिक खेलों का आयोजन करना है।

जय शाह ने कहा कि 2024 में भारत ने 8 पदक जीते, लेकिन 2036 में हमारा संकल्प 100 पदक जीतने का है। मुझे पूरा विश्वास है कि इन 100 पदकों में से 10 पदक गुजरात से आएंगे और उनमें से 2 पदक हमारी बेटियां जीतकर देश का नाम रोशन करेंगी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 2023 क्रिकेट विश्व कप की निराशा के बाद भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की शानदार वापसी का भी उल्लेख किया। जय शाह ने कहा कि '2023 के वनडे विश्व कप में हमने दिल जीत लिए थे, लेकिन ट्रॉफी नहीं जीत सके। एक निजी कार्यक्रम में मैंने कहा था कि 2024 में हम दिल और कप दोनों जीतेंगे– और हमने ऐसा करके दिखाया। भारत ने 2024 का आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल जीता और इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी भी अपने नाम की। इस आयोजन ने न सिर्फ खेलों के प्रति उत्साह बढ़ाया, बल्कि बेटियों के सशक्तिकरण और उज्ज्वल भविष्य का सशक्त संदेश भी समाज तक पहुंचाया।

बीएमसी चुनाव से पहले ठाकरे बंधुओं की साझा हुंकार, यह लोकतंत्र नहीं, झुंडशाही है

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों से पहले महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर सत्ताधारी गठबंधन और चुनावी प्रक्रिया पर तीखा हमला बोला। इस दौरान दोनों नेताओं ने जल्द ही अपना संयुक्त चुनावी घोषणा पत्र जारी करने की घोषणा भी की। उद्धव ठाकरे ने कहा अब यह लोकतंत्र नहीं रहा, यह झुंडशाही बन चुका है। पहले वोट चोरी होती थी, अब उम्मीदवार ही चुरा लिए जा रहे हैं। अगर हम रंगे हाथों भी पकड़ लें, तब भी कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि वे खुद को पौराणिक उपलब्धियों से जोड़ते हैं, लेकिन वर्षों पहले समुद्र में पूजा करने के बावजूद छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा आज तक सामने नहीं आई। उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग को खुली चुनौती देते हुए कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारियों के कॉल रिकॉर्ड सार्वजनिक किए जाएं, ताकि सच सामने आ सके। उद्धव ठाकरे ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का खुलेआम उम्मीदवारों और मतदाताओं को धमकाना बेहद चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि राहुल नार्वेकर को तुरंत निलंबित किया जाना चाहिए और उनके खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए। उद्धव ने आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा के बाहर अधिकारियों को नेताओं की सुरक्षा हटाने का निर्देश नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि निर्विरोध उम्मीदवारों को जिताकर मतदाताओं से वोट का अधिकार छीना गया है और ऐसे सभी स्थानों पर उपचुनाव होने चाहिए।

हरिद्वार कुंभ मेला क्षेत्र को गैर-हिंदू प्रतिबंधित घोषित करने की मांग: नितिन गौतम

पथ प्रवाह, हरिद्वार

श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने आगामी कुंभ मेला 2027 को ध्यान में रखते हुए कुंभ मेला क्षेत्र को गैर-हिंदू प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किए जाने की मांग की है। उन्होंने यह मांग प्रेस क्लब हरिद्वार में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान सरकार के समक्ष रखी।

नितिन गौतम ने कहा कि अंग्रेजों के शासनकाल में भी नगर पालिका हरिद्वार क्षेत्र में गैर-हिंदुओं के ठहरने और व्यवसाय करने को लेकर नियम लागू थे। ऐसे में वर्तमान समय में, जब कुंभ को भव्य, दिव्य और सुरक्षित बनाने की तैयारी की जा रही है, तब इन नियमों को और अधिक सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले कुंभ से पहले सभी गंगा घाटों और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाई जानी चाहिए।

गंगा सभा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार द्वारा वर्ष 2027 में हरिद्वार में दिव्य और भव्य कुंभ आयोजित किए जाने की घोषणा सराहनीय है। वर्ष 2021 के कुंभ मेले में कोरोना महामारी के कारण जो श्रद्धालु कुंभ स्नान से वंचित रह गए थे, उन्हें 2027 में स्नान का अवसर मिलेगा। इससे सनातन धर्म को बल मिलेगा और स्थानीय व्यापार एवं रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।

नितिन गौतम ने यह भी कहा कि नगर पालिका बायलॉज के अनुसार हरिद्वार नगर पालिका क्षेत्र गैर-हिंदू एवं मद्य-मांस निषेध क्षेत्र घोषित है, लेकिन इन नियमों का पूर्ण रूप से पालन नहीं हो पा रहा है। सरकार को चाहिए कि बायलॉज का सख्ती से अनुपालन कराए, जिससे तीर्थ नगरी की मर्यादा बनी रह सके।

उन्होंने आरोप लगाया कि बैरागी कैंप एवं अन्य क्षेत्रों में कुछ गैर-हिंदू अपनी पहचान छिपाकर निवास कर रहे हैं। ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें हरिद्वार से बाहर किया जाना चाहिए, ताकि कुंभ मेले की पवित्रता और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। प्रेसवार्ता के दौरान उज्ज्वल पंडित, प्रमोद शर्मा, विकास प्रधान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

पशु प्रेमियों ने शहर में रैली निकालकर किया सुप्रीम कोर्ट के आदेश का विरोध

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सार्वजनिक स्थलों से स्ट्रीट डॉग्स को शेल्टर भेजने के आदेश का पशुप्रेमियों ने विरोध किया। देवभूमि बधिर एसोसिएशन के बैनर तले रैली निकालकर विरोध प्रकट किया गया। चंद्राचार्य चौक पर बड़ी संख्या में पशु प्रेमी एकत्रित हुए और रैली के रूप में ऋषिकुल पहुंचें। देवभूमि बधिर एसोसिएशन की प्रदेश प्रवक्ता सोनिया अरोड़ा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश अन्यायपूर्ण और गैर जिम्मेदाराना है। सार्वजनिक स्थलों से डॉग को हटाना एक अमानवीय कृत्य है। डॉग जहां जन्म लेता है वहीं उसका घर होता है। सरकार के पास इतना इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है कि वो इतने डॉग्स की देखभाल कर सके। दूसरा डॉग्स को अपनी जगह से हटाने से प्लेग फैलने का खतरा बढ़ जाएगा। डिंपी अरोड़ा और निशा अग्रवाल ने कहा कि सरकार को देश में होने वाले क्राइम पर अपना ध्यान देना चाहिए न कि कुत्तों पर। हिमानी मेहता, सत्यदेव राठी, सुंदरलाल गौतम और सलीम मलिक ने कहा कि निराश्रित पशुओं की रक्षा जारी रहेगी। कार्यक्रम में पशु प्रेमी ऋषभ गुप्ता, प्रीति कौशिक, वीरेंद्र नेगी, मोहित अरोड़ा, आर्यन मेहता, कृष्णा शर्मा, अभय केशवानी, एंजल अरोड़ा, देवभूमि बधिर एसोसिएशन से सरदार मोंटू, विवेक केशवानी, देव शर्मा, शैलेश मिश्रा, मनोज त्रिपाठी, संदीप अरोड़ा, अमरदीप, चरणजीत, तरनदीप, नीतू, जितेंद्र वीर सैनी, रतनपाल सिंह, मनोज कंडवाल, जनहित दिव्यांग सेवा समिति से सहेंद्र कुमार, ओमवीर शर्मा, देवेंद्र, सहित बड़ी संख्या में पशुप्रेमी मौजूद रहे।

बारामूला के जंगलों में मिले आतंकी ठिकाने

गोलियां, ग्रेनेड, दवाएं और मीट बरामद

श्रीनगर(ईएमएस)। बारामूला पुलिस ने सीआरपीएफ 53 बटालियन, 46 राष्ट्रीय राइफल्स, एएसटी और बम निरोधक दस्ते के साथ मिलकर एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। यह अभियान डीएसपी ऑप्स बारामूला के नेतृत्व में सुचलिवारन के जंगल क्षेत्र में खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किया गया था। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को जंगल में एक आतंकी ठिकाना मिला। ठिकाने की गहन तलाशी लेने पर बड़ी मात्रा में संदिग्ध और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने उस ठिकाने को नष्ट कर दिया। इस पूरे ऑपरेशन में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई सूचना नहीं है। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से एके-47 की 24 राउंड गोलियां बरामद कीं, जो जंग लगी हुई थीं और उन पर किसी ऑर्डिनेंस फैक्ट्री का निशान नहीं था। इसके अलावा दो हथगोले भी मिले, जिनमें से एक पर रजिस्ट्रेशन नंबर 86पी 01-03 632 लिखा था, जबकि दूसरे पर कोई नंबर नहीं था। एक 3 लीटर का स्टील का कनस्तर भी मिला, जिसमें मीट रखा हुआ था।

दवाएं और कपड़े भी बरामद

तलाशी के दौरान कुछ दवाएं भी बरामद की गईं, जैसे- एसिक्लोफेनाक, पैरासिटामोल और क्लोरजोक्साजोन। इसके साथ एक वायरलेस एंटीना भी मिला। जंग लगी हुई एक आरी, दो काले रंग के छाते, एक जोड़ी जूते, टूटी हुई एक कुल्हाड़ी, जंग लगा वायर कटर और एक स्टील का कटोरा भी बरामद किया गया। बरामद की गई सामग्री से साफ है कि इस ठिकाने का इस्तेमाल लंबे समय से किया जा रहा था।

आज जींद-सोनीपत रेलवे लाइन पर 140 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ेगी हाइड्रोजन ट्रेन

सोनीपत। जींद से सोनीपत के बीच करीब 90 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन पर जल्द ही देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन दौड़ने वाली है। यह ट्रैक अब तक न विद्युतीकृत था और न ही यहां यात्रियों के लिए पर्याप्त ट्रेनों की सुविधा उपलब्ध थी। डीजल इंजनों से होने वाले प्रदूषण से मुक्ति और शून्य-कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को ध्यान में रखकर रेलवे ने इस रूट पर हाइड्रोजन ट्रेन चलाने का फैसला किया है। समतल ट्रैक होने के कारण इस लाइन को ट्रायल के लिए सबसे बेहतर माना गया है। हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल 5 जनवरी को जींद-सोनीपत रेलखंड पर होगा। इस ट्रेन में दो ड्राइवर पावर कार और आठ यात्री कोच लगाए गए हैं, जिसमें एक बार में करीब 600 यात्री सफर कर सकते है। ट्रायल के दौरान यात्रियों के भार का आकलन करने के लिए कोचों में करीब 30 टन वजन रखा गया है।

महास्वच्छता अभियान: छात्र-छात्राओं साथ रैली निकालकर स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को रोटरी क्लब ने स्कूली बच्चों को साथ लेकर जागरूकता रैली निकाली। वहीं जिलाधिकारी के निर्देश पर शहर से लेकर गांवों तक स्वच्छता अभियान जारी रहा।

धर्मनगरी में चल रहा स्वच्छता अभियान निरंतर चल रहा है। पिछले 47 दिन से अभियान के तहत शहर से लेकर गांव की गलियों तक साफ सफाई की जा रही है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित स्वयं इस अभियान की निगरानी कर रहे हैं। इस अभियान में समाजसेवी संस्थाओं का भी सहयोग लिया जा रहा है। इसीक्रम में रोटरी क्लब हरिद्वार द्वारा मां सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र छात्राओं के साथ स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान स्वच्छता के महत्व के बारे में बताते हुए स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। जिलाधिकारी जनपद वासियों से भी अपील की है कि वह स्वयं अपने घर आंगन के आसपास साफ सफाई रख कर इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग दें। अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग सुरेश तोमर ने बताया कि रविवार को कि एनएचएआई की टीम ने गांव लक्सर क्षेत्र और राष्ट्रीय राजमार्ग किलोमीटर 21 क्षेत्र में सफाई का कार्य कराया गया। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग हरिद्वार दीपक वर्मा ने बताया कि दूधाधारी चौक व भूपतवाला क्षेत्रांतर्गत साफ सफाई कार्य कराया गया। राजाजी पार्क के कर्मचारियों द्वारा मनसा देवी पैदल मार्ग में साफ सफाई का कार्य कराया गया। खंड विकास अधिकारी बहादराबाद ने बताया कि क्षेत्र में नालियों की सफाई का कार्य कराया गया। जिला युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि महिला मंगल दल ने विकास खंड भगवानपुर क्षेत्र में सफाई का कार्य कराया। आरएम सिडकुल कमल किशोर ने बताया कि सेक्टर 11 क्षेत्र में सड़क किनारे झाड़ियों का कटान और नालियों की सफाई का कार्य कराया गया। नवोदय नगर में स्थानीय लोगों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के नेतृत्व में कांग्रेस ने निकाली पद यात्रा, बोले अंकिता को न्याय दो

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिला महानगर कांग्रेस कमेटी हरिद्वार द्वारा रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के नेतृत्व में 'अंकिता को न्याय दो' पदयात्रा निकाली गई। यह न्याय यात्रा शिवमूर्ति चौक से प्रारंभ होकर कोतवाली हरिद्वार तक पहुंची, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी कर सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

न्याय यात्रा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि भाजपा सरकार के शासनकाल में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड हिमालयी राज्यों में महिला अपराधों के मामले में पहले स्थान पर है, जो पूरे प्रदेश के लिए शर्मनाक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक अंकिता को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी और यह संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

जिला महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देकर सत्ता में आई भाजपा के राज में आज बेटियां सबसे अधिक असुरक्षित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के अपने ही नेताओं के कारण बेटियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं, लेकिन सरकार मौन साधे हुए है।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुरली मनोहर एवं वरिष्ठ नेता वीरेंद्र रावत ने कहा कि भाजपा सरकार में लगातार बेटियों के साथ दुराचार की घटनाएं सामने आ रही हैं। सरकार की चुप्पी के कारण पूरा उत्तराखंड आंदोलनरत है और जनता में भारी रोष व्याप्त है।

पूर्व प्रदेश महासचिव वरुण बालियान एवं वरिष्ठ नेता महेश प्रताप राणा ने मांग की कि अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच सीबीआई से हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों को सख्त सजा मिले। महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंजू मिश्रा एवं महिला महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लता जोशी ने कहा कि उत्तराखंड की बेटी अंकिता को जब तक न्याय नहीं मिल जाता, तब तक महिला कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करती रहेगी।

पूर्व राज्यमंत्री संजय पालीवाल एवं वरिष्ठ नेता प्रदीप चौधरी ने कहा कि भाजपा शासन में महिला अपराध तेजी से बढ़े हैं, जिससे प्रदेश की जनता आंदोलित है और सरकार के खिलाफ जनआक्रोश लगातार बढ़ रहा है।

वरिष्ठ नेता अरविंद शर्मा एवं अशोक शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार में बेटियां असुरक्षित हैं और जब तक इस न्याय की लड़ाई को अंजाम तक नहीं पहुंचाया जाएगा, तब तक कांग्रेस कार्यकर्ता चुप नहीं बैठेंगे।

इस न्याय यात्रा में मुख्य रूप से पूर्व विधायक रामयश सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा, महानगर कांग्रेस महासचिव राजीव भार्गव, पार्षद महावीर वशिष्ठ, हिमांशु गुप्ता, रविश भटीजा, मनोज सैनी, अनिल भास्कर, नितिन तेश्वर, नमन अग्रवाल, विकास सिंह, रचना शर्मा, नलिनी दीक्षित, अंजू द्विवेदी, एनएसयूआई महानगर अध्यक्ष याज्ञिक वर्मा, हरद्वारी लाल, मनोज जाटव, समर्थ अग्रवाल, निखिल सौदाई, नवीन भाटिया, आशु भारद्वाज, उदित विद्याकुल, कार्तिक शर्मा, मार्कण्डेय सिंह, गार्गी राय, मोहित अरोड़ा, सत्यम शर्मा, मकबूल कुरैशी, वसीम सलमानी, अयान सैफी, दीपक टण्डन, पूर्व पार्षद उपेंद्र कुमार, विक्रम शाह, सोम त्यागी, सीपी सिंह, रवि बाबू शर्मा, अरुण चौहान, सतेंद्र वर्मा, अंकुर सैनी, यश शर्मा, अनिल कुमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

उत्तराखंड के गंगोत्री में तापमान माइनस 22डिग्री, नदी-झारने जमे

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में शनिवार को तापमान शून्य से नीचे चला गया। उत्तरकाशी के गंगोत्री क्षेत्र में न्यूनतम तापमान माइनस 22 डिग्री पहुंचने से भागीरथी नदी जम गई। राजस्थान में रविवार को 5 जिलों में शीतलहर और 9 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान के माउंट आबू में लगातार दूसरे दिन पारा 0 डिग्री पहुंचा। मध्य प्रदेश के भोपाल में सर्दी के इस सीजन में पहली बार पूरे दिन घना कोहरा रहा। 11 शहरों में दिन का तापमान 20 डिग्री से नीचे रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले 15 दिन शीतलहर का अलर्ट है।

दिल्ली में रविवार सुबह कोहरा छाया रहा। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स में देरी हुई। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कहा कि उत्तर भारत में घने कोहरे के चलते कई एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट्स प्रभावित हो सकती हैं। पैसेंजर्स को सलाह दी जाती है कि एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस जरूर चेक करें। एयरलाइन और एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करें।

विदेशियों का इतिहास पढ़ा, देश के क्रांतिकारियों के इतिहास से रहे वंचित: डॉ. ललित नारायण मिश्र

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति की ओर से 'हर महीने प्रथम रविवार दस बजे दस मिनट स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों शहीदों के नाम' अभियान चलाया गया। यह अभियान का 37वां रविवार था। इस दौरान ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत का गायन, स्मारकों, शहीद स्थलों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि समर्पित करने के साथ ही आजादी के दीवानों की जीवन गाथाएं सुनाई गयी।

अमर शहीद जगदीश वत्स पार्क में आयोजित कार्यक्रम में सीडीओ डॉ. ललित नारायण मिश्र ने काकोरी काण्ड के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमारे बच्चे अपने पाठ्यक्रम में विदेशियों का इतिहास तो पढ़ते हैं, परन्तु, अपने देश की आजादी के क्रान्तिकारियों के इतिहास से वंचित हैं। अब ज़रूरी है कि विद्यालयों में प्रार्थना के बाद किसी एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी या शहीद की जीवनगाथा विद्यार्थियों को सुनाई जाए।

उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा स्वच्छ हरिद्वार बनाने के अभियान की जानकारी देते हुए स्वच्छता शपथ दिलाई और कहा कि स्वच्छता अभियान जैसे रचनात्मक कार्यों में स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों की भागीदारी जनसामान्य को स्वच्छता के प्रति सजग करेगी। कार्यक्रम में समिति के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र रघुवंशी, अरुण कुमार पाठक, प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य करुणेश मिश्र ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदानों? को याद करते हुए संस्कारों? के साथ जुड़े रहने की अपील की। स्वामी शरद पुरी महाराज ने स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को राष्ट्र की धरोहर बताया। समाजसेवी जगदीश लाल पाहवा ने इस अभियान की सराहना की। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. प्रेम सिंह की 33 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये गए। कार्यक्रम में कैलाश वैष्णव, ललित कुमार चौहान, अनुराग सिंह गौतम, वीरेन्द्र गहलोत, आदित्य गहलोत, शिवेंद्र गहलोत, परमेश चौधरी, जोगिंद्र तनेजा, रमेश चंद्र गुप्ता, डॉ. वेद प्रकाश आर्य, अरविन्द कौशिक, कमल कौशिक, राहुल कौशिक, सुनील कुमार चौहान, डा. नरेश मोहन, नरेन्द्र कुमार वर्मा, अशोक कुमार दिवाकर, अशोक चौहान, राकेश कुमार चौहान, कमलेश कुमार चौहान, यशवन्त कुमार चौहान, अशोक चौहान रामनगर, विवेक शर्मा, अर्जुन सिंह राणा, निर्दोष कुमार, शिव कुमार, रविन्द्र कुमार चौहान, आनंद सिंह चौहान, अजय सरोज, अमित चौहान, रमेश चंद गुप्ता, यशपाल सिंह ठाकुर, धीरज शर्मा, वीरेन्द्र कुमार सैनी, श्रीमती आशा रघुवंशी, सुमित्रा देवी, मनीषा चौहान, विनीता कौशिक, शीला चौहान, पद्मा देवी, अंजलि तथा उन्नति शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान की मूर्ति स्थापना दिवस पर विधि विधान से किया हवन-पूजन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

बहादराबाद स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा के स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ हवन-पूजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ एडवोकेट राजकुमार चौहान के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन-पूजन द्वारा कराया गया। यज्ञ के यजमान क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह चौहान मीरपुर एवं महामंत्री एडवोकेट उत्तम सिंह चौहान संयुक्त रूप से उपस्थित रहे। उपस्थितजनों ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान के शौर्य, पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और न्यायप्रिय व्यक्तित्व को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य

रूप से रानीपुर के विधायक आदेश चौहान ने कहा कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान भारतीय इतिहास के ऐसे महान योद्धा थे, जिनका जीवन साहस, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उनकी प्रतिमा युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर राज्यमंत्री डॉ जयपाल चौहान ने ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने पर बल दिया। कार्यक्रम में चौहान क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह चौहान ने उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने क्षेत्र में सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई।और कड़ाके की सर्दी के बावजूद भी बड़ी संख्या में समाज के विशिष्टजन उपस्थित रहे।

हवन-पूजन के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया और कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ। महामंत्री एडवोकेट उत्तम सिंह चौहान ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं का भी आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समिति से राणा नंदलाल जी, अरविंद चौहान, केपी सिंह, पवन चौहान, भारत भूषण चौहान, दिनेश चौहान, मास्टर राजकुमार, नरेंद्र चौहान, प्रधानपति मोहित चौहान, नीरज चौहान, हिमांशु चौहान ने सहयोग करके इस कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर भाजपा नेता योगेश चौहान, जिला महामंत्री हीरा सिंह विष्ट, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अभिनव चौहान, जिला मंत्री रेशु चौहान, जिला पंचायत सदस्य विजय चौहान, जयंत चौहान, चमन चौहान, ब्लॉक उप प्रमुख उधम चौहान, प्रदेश मंत्री युवा मोर्चा तरुण चौहान, सहकारी समिति के चेयरमैन अनिल चौहान, अमितराज चौहान, नितिन चौहान, विभांशु, अखिल चौहान, विपुल चौहान, मोनू चौहान, वरुण चौहान, रवि चौहान, नीतीश चौहान, सुशांत चौहान, निशांत चौहान, गोपी चौहान, विवेक चौहान, अर्जुन चौहान आदि सैकड़ों की संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एक नजर

अंकिता भंडारी हत्याकांड, उत्तराखंड में उबाल

सीबीआई जांच की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीआईपी का नाम उजागर करने एवं सर्वोच्च न्यायालय के सिटिंग जज की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग को लेकर रविवार को हजारों प्रदर्शनकारियों ने पहले परेड ग्राउंड में एक सभा की। इसके बाद अपनी मांगों के लिए सीएम आवास घेरने की योजना बनाई। वहीं देहरादून पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को सीएम आवास से करीब दो किलोमीटर पहले ही रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस बल के बीच झड़प शुरू हो गई। हालांकि इस झड़प के बाद किसी के घायल होने की सूचना अभी तक सामने नहीं आई है। जानकारी के मुताबिक विभिन्न संगठनों ने देहरादून में प्रदर्शन किया। तमाम राज्य आंदोलनकारी संगठन, सामाजिक संगठन और विपक्षी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री आवास के लिए कूच किया। हालांकि पुलिस ने सीएम आवास की तरफ बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को हाथी बडक़ला पुलिस चौकी के पास ही रोक दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्कामुक्की भी हुई, लेकिन पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे नहीं बढऩे दिया।

प्रियंका गांधी को असम स्क्रीनिंग कमेटी की जिम्मेदारी, बीजेपी के आरोपों को सांसद अनवर ने बताया गलत

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को असम स्क्रीनिंग कमेटी की जिम्मेदारी सौंपने के बाद राहुल गांधी को लेकर उठ रहे सवालों पर कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जो बात फैला रही है, वहां सरासर गलत है। एनडीए के नेताओं ने सवाल खड़े किए हैं कि राहुल गांधी के नेतृत्व पर अब कांग्रेस को भरोसा नहीं रहा है, इसलिए प्रियंका गांधी वाड्रा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस पर अनवर ने कहा, प्रियंका गांधी पिछले पांच सालों से महासचिव के तौर पर काम कर रही हैं। उन्हें समय-समय पर संगठन की जिम्मेदारियां दी गई हैं। उन्होंने पूरे देश में पार्टी के लिए काम किया है। इसलिए, बीजेपी जो बात फैला रही है, वह गलत है। सांसद अनवर ने कहा, पहले वह (प्रियंका गांधी) उत्तर प्रदेश की जनरल सेक्रेटरी इंचार्ज थीं। जब उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव हुए थे, तब वह राज्य की प्रभारी थीं। यह दूसरी बार है जब उन्हें चुनाव से जुड़े किसी राज्य का प्रभार मिला है। वे असम में अपने राजनीतिक अनुभव और काबिलियत का इस्तेमाल करेंगी। असम में कांग्रेस की वापसी की पूरी संभावना है। इसी बीच, तारिक अनवर ने वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई की आलोचना की।

आदिवासी क्षेत्र वलसाड जिले में आप को बड़ा झटका: 400 से अधिक कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

सांसद धवल पटेल की मौजूदगी में हुआ पार्टी प्रवेश, चैतर वसावा और अनंत पटेल पर साधा निशाना

वलसाड। गुजरात के वलसाड जिले के फलधरा गांव में आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। गांव के 400 से अधिक आप कार्यकर्ताओं ने वलसाड के सांसद धवल पटेल की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष शामिल हुए और सभी ने भाजपा का केसरिया पटका धारण किया। प्रदेश उपाध्यक्ष और सांसद की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम के दौरान सांसद धवल पटेल ने आप और कांग्रेस के नेताओं पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि ये सभी कार्यकर्ता भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा पर भरोसा जताकर पार्टी में शामिल हुए हैं। धवल पटेल ने दावा किया कि आप कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी से पूरी तरह निराश हो चुके थे। दिल्ली में हुए कथित घोटालों और लूट से वे परेशान थे, जिसके चलते उन्होंने भाजपा का दामन थामा।

सांसद ने आप विधायक चैतार वसावा और कांग्रेस विधायक अनंत पटेल पर भी कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि चैतार वसावा गुजरात में आदिवासी समाज को गुमराह कर रहे हैं। खास तौर पर उन्होंने आदिवासियों की कुलदेवी देवमोगरा माता के अपमान और सामूहिक भोजन के दौरान अभद्र भाषा के प्रयोग का आरोप लगाया। धवल पटेल के अनुसार, इसी तरह के व्यवहार से परेशान होकर आप के कार्यकर्ताओं ने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया। इस घटना से वलसाड जिले में भाजपा की स्थिति और मजबूत हुई है। आदिवासी बहुल क्षेत्र में आप को इस तरह का झटका पार्टी के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। जहां भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है, वहीं आप को अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने के लिए अब और चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले वलसाड-डांग के भाजपा सांसद धवल पटेल ने कांग्रेस के वांसदा विधायक अनंत पटेल और आप विधायक चैतार वसावा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि अनंत पटेल कांग्रेस छोड़कर आप में शामिल होने को तैयार हैं और चैतार वसावा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को अपनी पार्टी में जोड़ रहे हैं, जबकि अनंत पटेल उन्हें समर्थन दे रहे हैं। इस कथित सांठगांठ से कांग्रेस को नुकसान होगा, ऐसा भी उन्होंने कहा था। चैतार वसावा आप के प्रभावशाली आदिवासी नेता हैं और अनंत पटेल कांग्रेस के मजबूत चेहरों में गिने जाते हैं, ऐसे में धवल पटेल के इन बयानों से राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

वेनेजुएला संकट पर भारत की चिंता, शांति और संवाद की अपील

नई दिल्ली। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की अमेरिकी सेना द्वारा गिरफ्तारी की खबरों के बाद उत्पन्न हुए तनावपूर्ण हालातों पर भारत ने गहरी चिंता जाहिर की है। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह वेनेजुएला में तेजी से बदलती राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति पर नजर रखे हुए है। इस पूरे घटनाक्रम को क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती बताया गया है।

रविवार को विदेश मंत्रालय (एमईए) की ओर से जारी बयान में कहा गया कि भारत की प्राथमिकता वेनेजुएला में शांति, स्थिरता और वहां के आम नागरिकों की सुरक्षा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और विवादों का समाधान बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण तरीके से निकालने की अपील करता है। भारत का मानना है कि किसी भी प्रकार की हिंसा या सैन्य कार्रवाई से स्थिति और अधिक बिगड़ सकती है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि वेनेजुएला के हालिया घटनाक्रम बेहद चिंताजनक हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को दिशा में जिम्मेदारी से कदम उठाने की आवश्यकता है। भारत ने फिर कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि वहां के लोगों को किसी भी प्रकार की मानवीय संकट का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही, विदेश मंत्रालय ने वेनेजुएला में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर स्थिति स्पष्ट की है।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com